CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-34
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

ऐ अँधेरे देख ले मुँह तेरा काला हो गया, माँ ने आँखें खोल दी घर में उजाला हो गया।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार, 12 मई 2024

अभिप्राय मिडिया फाउंडेशन के चेयरमैन फाउंडर अभिज्ञान आशीष मिश्रा द्वारा मदर्स डे की दी शुभकामनायें

माँ हमारे जीवन का एक सबसे अहम हिसा होती है जिसकी सबसे बढ़ी खुसी हम होते है हमारे बारे में और हमारे देखभाल में ही अपना पूरा जीवन बिता देती है बिना किसी उम्मीद के.... तो चलिए इस वर्ष कुछ खास तरीके से मदर्स डे को मनाये अपने माँ के लिए लेकिन इससे पहले ये जानते है की मदर्स डे क्यों मनाया जाता है ? और इसी दिन क्यों मदर्स डे मनाया जाता है ? **क्यों मनाया जाता है मदर्स डे ?** ... माँ एक ऐसा शब्द है जिससे सुनते ही हमारे मन में ममता का भाव उठता है हर महिला अपने जीवन में माँ का सुख का अनुभव करना चाहती है। और हर बच्चा अपने माँ के स्नेह का आनंद लेना चाहता है माँ अपने बच्चे की निस्वर्थ्य भाव से अपने बच्चो को स्नेह करती है चाहे बच्चा कितना ही बड़ा क्यों न हो जाएँ उसका अपने बच्चे के प्रति स्नेह कम नहीं होता है। मदर्स डे मानाने के पीछे माँ के स्नेह,प्यार,बलिदान और उसकी प्रशंसा तथा अपने बच्चो के प्रति निहित कृतज्ञता को व्यक्त करने के लिए दुनिया भर में हर वर्ष मदर्स डे मनाया जाता है। माँ के स्नेह के बदले उन्हें कुछ दिया तो नहीं जा सकता है लेकिन अपने प्यार को जताने के लिए अपनी माँ को कार्ड ,फुल ,गिफ्ट जैसे उपहार के साथ मदर्स डे कों मनाया जाता है। मदर डे की शुरुवात अमेरिका की एक सामाजिक कार्यकर्ता एन जार्विस द्वारा किया गया था। एन जार्विस अपने माँ को बहुत प्यार करती थी 1905 में जब उनके माँ का निधन हुआ तब उन्होंने अपनी माँ के स्नेह को देखते हुए वे चाहती थी की सभी माँओ के सम्मान में मदर्स डे मनाया जाये और इस दिन नेशनल हॉलीडे हो। वे चाहती थी के सभी लोग जो अपने माँ को प्यार करते है वे अपने माँ के प्रति प्यार और कृतज्ञता के लिए एक दिन चाहती थी। 1914 में राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने हर वर्ष मई के दुसरे सप्ताह में मदर्स डे मनाने वाले एक प्रस्ताव में हस्ताक्षर किया जिसे कई देशो ने अपनाया तो इस तरह हर वर्ष मदर्स दे मानाने की शुरवात हुई। मर्दस डे का इंतजार हर व्यक्ति बेसब्री से करता है सभी लोग इस दिन को अपने माँ के लिए कुछ खास करने के लिए बहुत ही रोमांचित और उत्साहित होते है। अभिप्राय मिडिया फाउंडेशन चेयरमैन फाउंडर श्री अभिज्ञान आशीष मिश्रा अपनी माँ के प्यार कों याद कर भावुक होकर देश और दुनिया की हर उस माँ कों प्रणाम कर याद करते हैं और कहते हैं जो माँ अपने बच्चों कों जिंदिगी भर प्यार से निहारती हैं दुलारती हैं वे बच्चे कभी भी माँ कों दुख और कष्ट देते हैं उन्हें खुद माँ बाप बनने पर एहसास जरूर होता हैं। सभी माँओ कों प्रणाम और आज मदर्स डे पर अभिप्राय मिडिया फाउंडेशन की तरफ से शुभकामनायें।

चारधाम और अमरनाथ जाने के लिए ट्रेनों में 2 महीने की

नई दिल्ली। चारधाम के लिए मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और गुजरात से चलने वाली अधिकांश ट्रेनें फुल हो गई हैं। सभी ट्रेनों में दो महीने की वेटिंग है। आलम ये है कि स्लीपर, एसी क्लास की सभी श्रेणी की सीटें बुक हो चुकी हैं। दूसरी ओर 29 जून से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा में भी जून-जुलाई में ज्यादातर दिनों में सीटें उपलब्ध नहीं हैं। सबसे ज्यादा परेशान दिल्ली जाने वाले यात्रियों को हो रही है। क्योंकि अधिकांश श्रद्धालुओं ने दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में ही बुकिंग करवाई है। हालांकि रेलवे सूत्रों का कहना है कि इन राज्यों के श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए हर बार अलग-अलग शहरों से चारधाम यात्रा और अमरनाथ यात्रा के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू की जाती है। इस बार भी इन राज्यों से स्पेशल ट्रेन चलाई जा सकती है।

ट्रेन टिकट के लिए परेशान हो रहे यात्री: मध्यप्रदेश से इन तीर्थ स्थलों पर जाने वाले यात्रियों ने कहा ह्यपहले तो दर्शन के लिए रजिस्ट्रेशन में बहुत समय लगा। बड़ी मुश्किल से रजिस्ट्रेशन मिला और जब रजिस्ट्रेशन हो गया है, तो ट्रेनों में सीटें फुल हो गईं। मजबूरी में हमें वाया दिल्ली होकर या अन्य स्टेशन से टिकट करवाने पड़ रहे हैं। हालांकि ट्रेनों में जो टिकट मिल रहे हैं, वह जुलाई के आखिरी सप्ताह से मिल रहे हैं, जो काफी लेट हैं। दूसरी ओर मई-जून में गर्मी की छुट्टियों के दौरान जो लोग चारधाम यात्रा पर जाना चाहते हैं, उन्हें भी दिक्कतें आ रही हैं। इन तीर्थ स्थलों पर जाने वाली ट्रेनों के टिकट भी फुल हो गए हैं।

मदर्स डे पर लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीर...

लोकसभा चुनाव में मां और पुलिस का एक साथ फर्ज निभा रही महिला पुलिसकर्मी

अलीराजपुर। मध्य प्रदेश में सोमवार को लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत आठ लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होना है। इससे पहले रविवार को मतदान दलों को मतदान सामग्री वितरित की गई। इसी बीच अलीराजपुर से बेहद खूबसूरत तस्वीरें सामने आई है। जहां एक महिला पुलिसकर्मी अपनी मां होने की और विभागीय ड्यूटी साथ-साथ निभा रही हैमहिला पुलिसकर्मी की यह तस्वीर अलीराजपुर कलेक्टर के अधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर भी की गई है। साथ ही पोस्ट में लिखा है कि मदर्स डे के अवसर को सार्थक करता यह चित्र अलीराजपुर जिले का है। जहां महिला पुलिसकर्मी अपने मां होने और निर्वाचन में अपनी ड्यूटी दोनों का फर्ज निभा रही है।' मदर्स डे के अवसर को सार्थक करता यह चित्र अलीराजपुर ज़िले का है। जहाँ महिला पुलिसकर्मी अपने माँ होने और निर्वाचन में अपनी ड्यूटी दोनों का फ़र्ज़ निभा रही है।गौरतलब है कि सोमवार को मध्य प्रदेश के देवास, इंदौर, उज्जैन, धार, रतलाम, मंदसौर, खरगोन और खंडवा लोकसभा सीट पर मतदान होना है। मतदान से 48 घंटे पहले शनिवार शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार पूरी तरह से थम गया है, अब रैली, प्रचार पूरी तरह से बंद रहेगा। 13 मई को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होना है। इसके लिए सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के बाहर प्रत्याशी अपनी टेबल लगा सकेंगे।

दिल्ली के सीएम ने भाजपा पर साधा निशाना, बोले- योगी को हटाने की की जा रही साजिश

केजरीवाल बोले- देश के नेताओं को खत्म करना चाहते हैं मोदी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। आप कार्यालय में सीएम केजरीवाल ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने एक बहुत ही खतरनाक मिशन शुरू किया हुआ है जिसका नाम है वन नेशन, वन लीडर। अगर इनकी सरकार बनी तो पहले अगले दो महीने में ये योगीजी को निपटाएंगे, उसके बाद मोदीजी के सबसे खास अमित शाहजी को प्रधानमंत्री बनाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि मोदीजी अपने लिए नहीं, अमित शाह के लिए वोट मांग रहे हैं। केजरीवाल के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने खुद स्थिति साफ कर दी। **केजरीवाल एंड कंपनी खुश ना हो**-उधर, अमित शाह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी इंडिया गठबंधन वालों को आनंदित होने की जरूरत नहीं है। मोदी जी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इसमें बीजेपी में कोई कन्फ्यूजन नहीं है। यह कन्फ्यूजन खड़ा किया जा रहा है। हम 400 पार की तरफ बढ़ रहे हैं। मोदी जी ही टर्म पूरी करेंगे। मोदी के 75 साल पूरा करने के सवाल पर शाह ने कहा कि बीजेपी के संविधान में ऐसा कुछ नहीं है। इस तरह शाह ने विपक्ष के इस आरोप पर स्थिति साफ कर दी।

भाजपा ने अपने नेताओं का सफाया किया- सीएम केजरीवाल ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़नी है तो केजरीवाल से सीखो। मैंने अपने नेता को भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई को सौंप दिया था। तानाशाह जनतंत्र खत्म करना चाहता है। देश को तानाशाह से बचाने का वक्त है। भाजपा ने अपने नेताओं का सफाया किया है। मुरली मनोहर जोशी और लालकृष्ण आडवाणी को रिटायर किया गया। इन्होंने रमन सिंह, शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे, मनोहर लाल की राजनीति को खत्म कर दिया है। अब अगला नंबर योगी आदित्यनाथ का है। ये चुनाव यह जीत गए तो दो महीने में यूपी का मुख्यमंत्री बदल दिया जाएगा। जो तानाशाही है। देश के सभी नेताओं को पीएम खत्म करना चाहते हैं।

बंगाल के बैरकपुर में पीएम मोदी ने दी 5 गारंटी, बोले -

रामनवमी मनाने और राम की पूजा से कोई रोक नहीं पाएगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धुआंधार लोकसभा चुनाव प्रचार जारी है। पीएम मोदी आज बंगाल और बिहार में जनसभा और रोड शो कर रहे हैं। पीएम मोदी शाम को पटना पहुंचेंगे और रोड शो करेंगे। वे पटना में रोड शो करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे।पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, देश की आजादी के बाद 50 वर्ष तक कांग्रेस के परिवार ने ही सरकारें चलाईं, लेकिन कांग्रेस शासन में पूर्वी भारत को सिर्फ गरीबी और पलायन मिला। पश्चिम बंगाल हो, बिहार हो, झारखंड हो, ओडिशा हो, आंध्र प्रदेश हो... कांग्रेस और इंडी अलायंस के दलों ने पूर्वी भारत को पिछड़ा ही छोड़ दिया। 2014 में आपने मोदी को मौका दिया, मोदी ने ठाना है कि वो देश के पूर्वी हिस्से को विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बनाएगा। एक

समय था, जब बंगाल में एक से बढ़कर एक वैज्ञानिक खोज हुआ करती थीं, आज टीएमसी के राज में जगह-जगह बम बनाने की होम इंडस्ट्री चल रही है। एक समय था, जब बंगाल घुसपैठियों के खिलाफ क्रांति किया करता था, लेकिन आज टीएमसी के संरक्षण में यहां घुसपैठी फल-फूल रहे हैं। आज स्थिति ये है कि बंगाल में अपनी आस्था का पालन करना भी गुनाह हो गया है। बंगाल में टीएमसी सरकार राम का नाम नहीं लेने देती। बंगाल में टीएमसी सरकार रामनवमी नहीं मनाने देती। कांग्रेस और लेफ्ट के लोगों ने भी राम मंदिर के विरुद्ध मोर्चा खोल रखा है। क्या टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट के हाथ में ये महान देश सौंपा जा सकता है... TMC-कांग्रेस के इंडी अलांयस ने तुष्टिकरण और वोटबैंक की पॉलिटिक्स के आगे घुटने टेक दिए हैं।पीएम मोदी के पटना रोड शो से पहले आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने निशाना साधा। लालू ने एक्स पोस्ट पर लिखा, बोला था ना में? चीनी मिल खुलवा इसी मिल की बनी चीनी की चाय पीऊंगा। बरस हो गए? क्या हुआ तेरा वादा? जो प्रधानमंत्री अपने वादेनुसार प्रदेश में एक छोटी सी चीनी मिल नहीं खुलवा सकता हो? लालू ने आगे लिखा, जो प्रधानमंत्री विशेष राज्य के दर्जे से लेकर वर्षों में अपने बड़े-बड़े आसमानी वादों में से एक रत्ती भर भी वादा पूरा ना कर सका हो?

स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी से पूछा, 'क्या आप पीएम पद के उम्मीदवार हैं'

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सार्वजनिक बहस की चुनौती को स्वीकार कर लिया। अब केंद्रीय मंत्री और अमेठी से भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी ने राहुल पर निशाना साधा है।स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी से पूछा है कि क्या आप इंडी गठबंधन की ओर से पीएम पद के उम्मीदवार हैं? शनिवार को राहुल गांधी ने औपचारिक रूप से लोकसभा चुनाव पर पीएम मोदी के साथ सार्वजनिक बहस का निमंत्रण स्वीकार कर लिया। यह निमंत्रण सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मदन बी लोकुर, उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एपी शाह और वरिष्ठ पत्रकार एन राम ने दिया था।

नेता प्रतिपक्ष के लिए प्रतिष्ठा सवाल बनी धार सीट

प्रदेश की सियासत में अंचल की भूमिका रही खास

प्रदेश की सियासत में यह अंचल हमेशा ही निर्णायक भूमिका अदा करता रहा है। आठ में से रतलाम, धार और खरगोन सीट दोनों ही दलों के लिए अहम है। छह महीने पहले हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों से रतलाम-धार में कांग्रेस उत्साहित है, जबकि भाजपा इन सीटों पर नए चेहरों के साथ उतरी है। आदिवासी वोटर्स यहां निर्णायक स्थिति में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धार और खरगोन में सभा कर आदिवासी वोटरों को साधने की कोशिश की। जबकि राहुल गांधी ने खरगोन के सैगांव और रतलाम के जोबट में सभा की। धार मालवा-निमाड़ की इकलौती सीट है, जहां कांग्रेस वोट शेयर और सीटों के आधार पर भाजपा से मुकाबले में खड़ी दिख रही है। इस लोकसभा सीट में आने वाली आठ में से पांच सीटों पर कांग्रेस काबिज है। आदिवासी बाहुल्य सीट नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का गृह क्षेत्र भी है। इस सीट पर भोजशाला सर्वे के आदेश को भाजपा ने राजनीतिक रूप से भुनाना शुरू कर दिया है। भाजपा ने यहां से मौजूदा सांसद छतरसिंह दरबार का टिकट काटा है और पूर्व सांसद सावित्री ठाकुर को टिकट दिया है। यानी भाजपा को भी लग रहा था कि मौजूदा सांसद मुश्किल में हैं। ऐसे में कांग्रेस को यहां से उम्मीद अधिक है। कांग्रेस ने यहां से युवक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे तेजतर्रार नेता राधेश्याम मुवेल को टिकट दिया है। धार सीट पर 2009 में कांग्रेस के गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी जीते थे (अब भाजपा में) इसके बाद 2014- 2019 में बीजेपी यहां लगातार दो बार जीती है।

खरगोन सीट पर भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर

इस सीट पर कांग्रेस ने बिल्कुल नए चेहरे पोरलाल खरते को मैदान में उतारा है। पार्टी को उनकी पहचान बतानी पड़ रही है। खरते पूर्व सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी हैं। उनकी बड़वानी जिले के सेंधवा, खरगोन और भगवानपुरा के आदिवासी इलाकों में अच्छी पैठ है। खरते जयस के संस्थापकों में से भी एक रहे हैं और उनकी आदिवासी युवाओं में अच्छी पकड़ है। भाजपा ने दूसरी बार गजेंद्र पटेल को टिकट दिया है। पटेल का पहले विरोध था। अब ये हवा चल रही है कि गजेंद्र पटेल जीतेंगे, तो निमाड़ को मंत्री पद मिलेगा। इस क्षेत्र से भाजपा के दो सदस्य हैं। लोकसभा से गजेंद्र पटेल के अलावा राज्यसभा से सुमेर सिंह सोलंकी भी राज्यसभा सांसद हैं। इसके बावजूद भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में कमाल नहीं कर पाई। आदिवासी बहुल इस लोकसभा सीट की आठ विधानसभा में से कांग्रेस को पांच सीटें मिली थीं। जबकि भाजपा को तीन सीट हासिल हुई थीं। इन पांच सीट के चलते यहां कांग्रेस को उम्मीद है कि वह खरगोन सीट पर अपने पाले में कर सकती है। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री बाला बच्चन ने मैदान संभाल रखा है। वे इसी लोकसभा की विधानसभा राजपुर सीट से विधायक हैं। 2007 के उपचुनाव में इस सीट से कांग्रेस के अरुण यादव जीते थे, लेकिन इसके बाद 2009, 2014 और 2019 से यहां भाजपा ही जीतती रही है।

झाबुआ: असली आदिवासी कौन? यह बना चुनावी मुद्दा

यह मालवा-निमाड़ की इकलौती सीट है, मुद्दा राम मंदिर और मोदी की बजाय असली आदिवासी कौन है बन गया। कांग्रेस की तरफ से जाना पहचाना चेहरा और कद्दावर नेता कांतिलाल भूरिया मैदान में हैं। वे भील समुदाय से आते हैं। दूसरी तरफ भाजपा ने इस बार अलीराजपुर से अनीता नागर सिंह चौहान को टिकट दिया है। अनीता भिलाला समुदाय से आती हैं। इस सीट पर भील और भिलाला 65-35 के अनुपात में हैं। इस वजह से कांग्रेस ने भील समुदाय को साधा है। राम मंदिर और मोदी फैक्टर रतलाम-झाबुआ के शहरी मतदाताओं के बीच सिमटे हुए हैं।

आदिवासी बहुल है रतलाम झाबुआ सीट

रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट आदिवासी बहुल है। यहां की आठ विधानसभा में से कांग्रेस के पास जोबट, झाबुआ, थांदला यह तीन विधानसभा सीटें हैं। वहीं भाजपा के पास अलीराजपुर, पेटलावद, रतलाम सिटी और रतलाम ग्रामीण कुल चार सीटें हैं। वहीं एक सीट भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक कमलेश्वर डोडियार के पास सैलाना है। कांग्रेस 2015 में हुए उपचुनाव में यहां पर जीती थी और कांतिलाल भूरिया सांसद बने। साल 2019 में भाजपा के जीएस डामोर ने यहां जीत दर्ज की और भूरिया को हराया। कांतिलाल भूरिया यहां के पुराने आदिवासी नेता हैं। वह 1998, 1999, 2004 और 2009 में भी सांसद का चुनाव जीत चुके हैं।

इंदौर में मतदान वाले दिन गर्मी से रहेगी राहत, बूंदाबांदी के कारण ठंडा रहेगा मौसम

सिटी चीफ इंदौर।

अभी दिन में तेज धूप के कारण जहां शहरवासी गर्मी से परेशान हो रहे है तो वहीं शाम के समय बादल छाने से तापमान में गिरावट दिखाई दे रही है। मौसम वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान है कि इंदौर में आगामी सप्ताह के शुरुआत में बादलों के साथ बूंदों की बौछारें तपिश पर कुछ हद तक रोक लगाएगी। 13 मई को मतदान वाले दिन शहर में बादल छाने व हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। इंदौर में आगामी दिनों में धूल भरी तेज हवाएं कुछ समय के लिए 50 से 60 किलोमीटर की गति से चलने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक वर्तमान में पाकिस्तान

के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर एक चक्रवाती घेरा बना हुआ है। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश से होते हुए एक द्रोणिका दक्षिण असम तक बनी हुई है। इसके अलावा मराठावाड़ा से केरल होते हुए कन्याकुमारी तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके असर से इंदौर में अगले तीन दिन बादलों के साथ हल्की बूंदाबांदी की संभावना है।

40 डिग्री सेल्सियस से कम रहेगा तापमान

इंदौर में शुरुआती चार दिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम रहने की संभावना हैं। इस दौरान दिन में धूप व गर्मी के बाद शाम को तीन से चार बाद कही-कही हल्की बूंदाबांदी होने के आसार है। कई सिस्टम बनने से हवाएं घूम जाएगी और कभी-कभी शांत स्थिति में भी रहेगी। ऐसे में दिन में गर्मी के बाद शाम के समय उमस का असर भी दिखाई देगा। मौसम वैज्ञानिकों की सलाह है दोपहर में घर से बाहर निकलने वाले लोग सिर ढंककर निकले और तरल पेय पदार्थों का सेवन करें।

निगम में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार 45 करोड़ की फाइलें छिपाई

सिटी चीफ इंदौर।

सवा सौ करोड़ के घोटाला का मुख्य मुलजिम अभय राठौर खुलकर बोल रहा है।घोटाला तो स्वीकारा लेकिन छोटे कर्मचारी से लेकर बड़े अफसर तक को भ्रष्ट बताया। यह भी कहा कि नगर निगम में काम सिस्टम (शुभ-लाभ) से होता है। 62 लोगों के नाम बताए है जो भ्रष्टाचार और गडबड़ी में लिप्त है। पुलिस ने कोर्ट पेश कर रिमांड पर ले लिया है। 59 वर्षीय अभय राठौर (निलंबित एक्जीक्यूटिव इंजीनियर) को शुक्रवार सुबह एटा से गिरफ्तार किया था। पुलिसकर्मी तड़के छह बजे इंदौर पहुंचे और एजी रोड़ पुलिस के सुपुर्द कर गिया। इस दौरान राठौर ने कहा कि सारी गड़बड़ी का ठिकरा उस पर फोड़ना गलत है। घोटाले में तो सभी मिलें है। फाइल जोन से चलती है और चेक शाखा में रुकती है। शुरुआत से लेकर अंत तक कमिशन बंधा है। जिन मामलों में मुझे मुलजिम बनाया वो भी सिस्टम से चली है। राठौर ने कहा कि घोटाला सैंकड़ों करोड़ रुपये का है। गुप्ता का नाम लिया और कहा कि उसके पास 45 करोड़ रुपये के घोटाले की फाइल है।ठीक से जांच हुई तो सामने आ जाएगा। राठौर कायमी के दो दिन पूर्व भी अफसरों के पास पहुंचा था। 62 लोगों की सूची देकर कहा

था कि सबकी जांच होना चाहिए। नगर निगम से सैंकड़ों करोड़ रुपये ढकार गए। गुप्ता नामक अधिकारी का नाम लिया और दावा किया कि उसने भी 45 करोड़ रुपये की गड़बड़ी की है।गुप्ता से पोस्टिंग को लेकर विवाद हुआ था। पहले उसने आर्थिक अपराध ब्यूरो (ईओडबल्यू) में फंसाया। बाद में लोकायुक्त और पुलिस को शिकायत कर दी। आडिट विभाग में सबसे ज्यादा लेनदेनराठौर ने जोन,लेखा,वित्त और आडिट शाखा के कर्मचारी और अधिकारियों को भ्रष्ट बताया है। कहा कि जोन से लेकर शाखा तक 15 प्रतिशत कमिशन देना पड़ता है।सबसे ज्यादा आडिट शाखा में रुपया बंटता है। पुलिस अब आडिट विभाग वालों की भूमिका की जांच कर रही है। दो फरार ठेकेदार मौसम व्यास और इमरान खान की भी तलाश जारी है।नया नंबर लेते ही पुलिस के हत्थे चढ़ा राठौरजोन-3 के डीसीपी पंकज पांडे के मुताबिक आरोपित की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की थी।पुलिसकर्मियों को तीन दिन पूर्व नया नंबर मिला जो उसने हाल ही में चालू किया था। कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने रिश्तेदार अभिषेक सिसोदिया को पकड़ा। इसके बाद निपानिया स्थित एक बड़ी इमारत से भानजे भुपेंद्र को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में एटा के शैलेंद्रसिंह उर्फ शैलू की जानकारी मिली जो राठौर के भतीजे जय का ससुर है। पुलिसकर्मियों ने शुक्रवार को छापा मारा और गिरफ्तार कर लिया।

मध्य प्रदेश में चौथे चरण का मतदान कल

बंद रहेगी शराब दुकानें, बाहरी नेताओं को छोड़ना होगा संसदीय क्षेत्र

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को मध्य प्रदेश के देवास, इंदौर, उज्जैन, धार, रतलाम, मंदसौर, खरगोन और खंडवा लोकसभा सीट पर मतदान होना है। मतदान से 48 घंटे पहले शनिवार शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार पूरी तरह से थम गया है, अब रैली, प्रचार पूरी तरह से बंद रहेगा।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होना है। इसके लिए सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के बाहर

प्रत्याशी अपनी टेबल लगा सकेंगे। चुनाव प्रचार थमने के साथ ही बाहरी राजनैतिक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संसदीय क्षेत्र छोड़ना होगा। एक स्थान पर पांच से अधिक लोगों के एकत्रित होने अथवा एक साथ आवाजाही पर भी प्रतिबंध रहेगा।

शराब दुकाने भी रहेगी बंद

चुनाव प्रचार थमने के साथ ही सभी शराब दुकानें भी बंद हो गई है। जिन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होना है, वहां जिला प्रशासन द्वारा ड्राई डे घोषित किया गया है। इसमें 11 मई शाम 6 बजे से 13 मई मतदान समाप्ति तक सभी शराब दुकान, बार और भंडारगृह पूरी तरह से बंद रहेंगे। इस दौरान शराब की बिक्री पूरी तरह से बंद रहेगी।

रुपए के लेनदेन के विवाद में एसिड अटैक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में रुपए के लेन-देन के विवाद में एसिड अटैक का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सांवेर थाना पुलिस के अनुसार आरोपी का नाम सूरज प्रसाद निवासी ग्राम धरमपुरी है। उसने फरियादी बने सिंह पिता फूल सिंह निवासी ग्राम सोलसिन्दा पर एसिड फेंक दिया। घटना में बने सिंह की दोनों आंख और चेहरे पर चोट लगी है। दोनों पक्षों के बीच रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद की बात सामने आई है। आरोपी सूरज प्रसाद की बनेसिंह से उसके ग्राम सोलसिंदा स्थित घर में कहासुनी हुई। विवाद के बीच आरोपी ने एसिड का उपयोग कर फरियादी को घायल कर दिया। मामले में शिकायत के बाद सांवेर थाने में आरोपी सूरज प्रसाद के खिलाफ पुलिस ने धारा 326 एक के तहत केस दर्ज किया है।

पैर फ्रैक्चर होने से हो गए थे घाव, दो दिन में किए दो ऑपरेशन

सात साल के बच्चे का पैर कटने से बचाया, डॉक्टरों ने दी नई जिंदगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में सात साल के बच्चे का पैर काटने की नौबत आ गई थी, पर डॉक्टरों की कोशिश ने मासूम को नई जिंदगी दी है। सफल ऑपरेशन के बाद बच्चे का पैर कटने से बच गया है।

देवास के पास स्थित गांव डाबरी में सड़क हादसे में सात वर्षीय बच्चे का पैर फ्रैक्चर हो गया था, साथ ही पैर में गंभीर घाव हो गए थे। उसे डॉक्टरों ने इंदौर अस्पताल में इलाज करने की सलाह दी। यहां डॉक्टरों ने बच्चे का पैर काटने की सलाह दी। बच्चे के अभिभावक ये सुनकर ही बेहाल हो गए। इसी बीच किसी ने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन इंडेक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर पहुंचे। दो दिन में दो ऑपरेशन कर बच्चे के गंभीर घाव के साथ उसके पैर के फ्रैक्चर को भी डॉक्टरों की टीम ने ठीक किया और उसका पैर काटने से बचा लिया।

डॉ. अजय सिंह ठाकुर और उनकी टीम ने सफल ऑपरेशन के बाद ने सात साल के बच्चे को नई जिंदगी दी। डॉक्टरों के मुताबिक घाव भरने में थोड़ा समय लगेगा, जिसके बाद बच्चा पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। डॉ. अजय सिंह ठाकुर ने बताया कि बच्चे के दाएं पैर के पंजे में गंभीर घाव होने के साथ दोनों उंगलियां फ्रैक्चर के बाद काली पड़ गई थीं। गाड़ी के टायर में पैर फंसने के कारण काफी गंभीर घाव भी हो गए थे। इसके बाद उसे डॉक्टरों ने इंदौर के अस्पताल में रेफर किया, जहां उसका पैर काटने की आशंका जताई गई थी। यहां हमारी टीम ने चैलेंज के रूप में इसे लिया और कोशिश की। डॉक्टर ठाकुर ने बताया कि पैरों में मसल्स बहुत अधिक होती हैं, जो हादसे के दौरान कटने से क्रश हो जाती हैं। यही नहीं, बच्चों की नर्व्स बहुत महीन होती हैं। इसी वजह से यह सर्जरी बेहद कठिन थी।

मूसाखेड़ी इलाके में हादसा

.सिलेंडर बदलते समय लगी आग, छह झुलसे

सिटी चीफ इंदौर।

मूसाखेड़ी इलाके में शुक्रवार रात हादसा हो गया। रसोई गैस का सिलेंडर बदलने के दौरान एक मकान में आग भभक गई। हादसे में चाय बना रही 16 साल की नाबालिग और टंकी बदल रहे उसके जीजा बुरी तरह झुलस गए। आजाद नगर टीआई नीरज मेढ़ा ने बताया, मूसाखेड़ी क्षेत्र के शिव नगर में जगदीश देवड़ा के घर शुक्रवार रात 8 बजे हादसा हुआ। इसमें उनकी बेटी मनीषा(16), बेटा अरुण (10), और माखन (15) के अलावा दीपक चौहान (24), रितिक (9) पिता अर्जुन और आयुष (15) पिता श्यामलाल झुलसे हैं। मनीषा और माखन की हालत गंभीर है। मनीषा के भाई राहुल ने बताया कि पूरा परिवार बाहर वाले कमरे में बैठा था। तभी जीजाजी आए तो पिता जगदीश ने बहन मनीषा को चाय बनाने भेजा। गैस खत्म हो गई तो जीजा सिलेंडर बदलने लगे। इस दौरान गैस लीक हो गई। जैसे ही मनीषा ने माचिस जलाई आग भभक उठी। सभी घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल की बर्न यूनिट में भर्ती किया है।

इंदौर आने वाले यात्रियों ने एयरपोर्ट पर किया हंगामा

दिल्ली में खराब मौसम से इंदौर की कई उड़ानें हुई लेट

सिटी चीफ इंदौर।

खराब मौसम के कारण इंदौर आने वाली कई उड़ानें प्रभावित हो गई। शुक्रवार को देश की राजधानी दिल्ली का मौसम अचानक खराब हो गया। इससे एक उड़ान डायवर्ट होकर इंदौर पहुंची,जबकि कई उड़ानें लेट हो गई। इंदौर से जो विमान रात को दिल्ली के लिए रवाना होते थे,वे शनिवार सुबह उड़ान भर सके। इसके अलावा एलायंस एयर की एक उड़ान सात घंटे देरी से आई।

दूसरे शहरों से आने वाले कई विमान दिल्ली होकर इंदौर आते है। उन विमानों का टाइम टेबल दो दिन से बिगड़ा हुआ है। एलायंस एयर का एक विमान दिल्ली से शाम 7.40 बजे इंदौर आता है,लेकिन मौसम खराब होने के कारण वह विमान दिल्ली से रात तीन बजे इंदौर पहुंचा। इससे यात्री काफी परेशान हुए। वह विमान इंदौर से दिल्ली के लिए सुबह 3.40 बजे रवाना हुआ। यह उड़ान सात घंटे लेट थी। जयपुर, बेंगलुरु, लखनऊ, मुंबई, की उडानें भी एक से दो घंटे लेट हुई। दिल्ली से आने वाली एक उड़ान तीन घंटा लेट हुई। इंदौर आने वाले यात्रियों ने देरी के कारण विमानतल पर हंगाम भी किया है।

दिल्ली के बजाए देर रात इंदौर पहुंचा विमान

दिल्ली में शाम को मौसम ज्यादा खराब हो गया था। बैंगलुरु से दिल्ली जाने वाला एक विमान दिल्ली मे उतर नहीं सकता था। उसे डायवर्ट करते हुए इंदौर लाया गया। विमान में 182 यात्री सवार थे। विमान रात एक बजे इंदौर पहुंचा। मौसम खुलने के बाद रात दो बजे विमान ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

169 करोड़ रुपये हुई महाकाल मंदिर की आय

शहर में तीन गुना बढ़ा व्यापार, महाकाल लोक ने ऐसे बदली उज्जैन की तस्वीर

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर के नवविस्तारित क्षेत्र यानी श्री महाकाल महालोक का लोकार्पण 11 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। उज्जैन और इसके आसपास के क्षेत्रों की इकानामी के लिए यह बड़ी सौगात साबित हुई है। इसका सीधा असर पर्यटन, होटल, रियल एस्टेट, ट्रांसपोर्ट से जुड़े व्यापार पर हुआ। ये व्यापार करीब तीन गुना तक बढ़ गए हैं। यही नहीं महाकाल मंदिर की आय में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। जनवरी-2022 से जनवरी-2023 तक मंदिर की कुल आय 88 करोड़ रुपये थी। वहीं जनवरी-2023 से जनवरी 2024 तक यह आय 169 करोड़ रुपये के आंकड़े को छू गई। दरअसल श्री महाकाल महालोक के निर्माण के बाद उज्जैन आने वाले आस्थावानों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। महालोक बनने से पहले महाकाल मंदिर में रोजाना आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 20 से 25 हजार के बीच रहती है। रविवार को यह संख्या 40 से 45 हजार और खास दिनों जैसे श्रावण सोमवार आदि में यह आंकड़ा 70 हजार तक पहुंच जाता है।

महालोक बनने के बाद रोजाना

उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 80 हजार से एक लाख तक पहुंच गई है। रविवार अथवा अवकाश के दिनों में यह संख्या 1.50 लाख तक पहुंच जाती है। वहीं गत वर्ष श्रावण मास के 35 दिनों में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकाल मंदिर दर्शन और श्री महाकाल महालोक को निहारने पहुंचे थे।

खास बातें

अभी श्री महाकाल महालोक का पहला चरण करीब 352 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हुआ है। द्वितीय चरण का काम अभी बाकी है। कुल योजना 1172 करोड़ रुपये की है। श्री महाकाल महालोक बनने के बाद खास तौर पर होटल, ट्रांसपोर्ट, रियल स्टेट से जुड़े व्यापार में तीन गुना तक वृद्धि हुई है। वर्तमान में उज्जैन में 20 बड़ी होटलें और 350 से अधिक छोटी होटलें संचालित हो रही हैं। पहले सीजन में भी अधिकांश होटलों के कमरे आधे ही भर पाते हैं। अब श्रावण आदि विशेष पर्वों पर पर्यटकों को रूम के लिए मशक्कत करना पड़ती है। शहर में 250 से अधिक रेस्टोरेंट भी हैं। इनका कारोबार भी दोगुना हुआ है।

ओंकारेश्वर के यात्री भी बड़ी संख्या में आ रहे

श्री महाकाल महालोक बनने के बाद उज्जैन से ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग जाने वालों की संख्या भी बढ़ी है। उज्जैन-इंदौर-ओंकारेश्वर एक टूरिस्ट सर्किट के रूप में विकसित हुआ है।

मझगवां के भंडरा में बरातियों से भरी बस पलटी, 25 घायलों में 13 गंभीर

जबलपुर। जिले के मझगवां थाना अंतर्गत गिदुरहा गांव के पास शुक्रवार रात बारातियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटते ही बारातियों में चीख-पुकार मच गई। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बस में फंसे खून से लतफत बारातियों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। घायलों को तत्काल इलाज के लिए मझगवां पीएचसी भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी 14 घायलों को मेडिकल कॉलेज जबलपुर रैफर कर दिया गया। बस में करीब 30 से 40 बाराती सवार थे।पुलिस से हासिल जानकारी के मुताबिक भंडरा गांव के पाल परिवार के बेटे की शादी बघराजी में तय हुई थी। शुक्रवार रात बारातियों को लेकर बस क्रमांक एमपी 20 पीए 0986 भंडरा से रवाना हुई। रात करीब 10 बजे के लगभग बस गिदुरहा गांव के पास पुलिया पर पहुंची, उसी समय अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के पलटते ही बारातियों में चीख-पुकार मच गई।

ये घायल मेडिकल में भर्ती

हादसे में मनोज पाल (44) निवासी भंडरा, रामसेवक पाल (50) भंडरा, हल्ली पाल (43) खंचारी, संदीप

नामदेव (35) मझगवां, अनुराग पाल (16) भंडरा, बृजलाल पाल (50) भंडरा, पवन पाल (8)कुंदवारा , जुगराज गडारी 59 हरगढ, नरेष पाल (48) दरौली, परसुराम गडारी (70) भंडरा, भकोली राम (85) तलाड, बालाराम गडारी दरौली, गेंदलाल पाल (57) भंडरा, अर्जुन घनकर (23) गल्ला मंडी कटनी घायल हुए हैं, जो मेडिकल में भर्ती हैं।

शराब के नशे में था चालक, तेज थी बस की रफ्तार

बारातियों के मुताबिक बस का चालक शराब के नशे में था। साथ ही पुलिया के पास बस की रफ्तार अधिक होने के कारण वह अनियंत्रित होकर पलट गई।

नेशनल लोक अदालत में 24341 मामलों का हुआ निराकरण, पौधा देकर पति-पत्नी कराया राजीनामा

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसके चलते अनेकों स्थानों पर शिविर लगाए गए। वहीं कुल 60 खंडपीठों का गठन किया गया। शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में 24341 प्रकरणों का निराकरण किया गया। वहीं कुटुंब न्यायालय में पति-पत्नी के विवाद का एक मामला पहुंचा। इसका निराकरण बड़े ही रोचक तरीके से किया गया। दोनों एक पौधा देकर न्यायाधीश ने राजीनामा कराया। नेशनल लोक अदालत में कुल अवार्ड राशि 40 करोड़ 65 लाख 28 हजार 801 रुपये रही। राशि जिला भोपाल में लोक अदालत के माध्यम से प्रीलिटिगेशन के टैफिक-ई चालान जमा करने की सर्वप्रथम शुरूआत की गयी। जिसे प्रदेश के सभी महानगरों में टैफिक-ई चालान के प्रीलिटिगेशन प्रकरण नेशनल लोक अदालत में रखे जाने लगे। लोक अदालत के सफल आयोजन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण, न्यायाधीशगण का भरपूर सहयोग रहा। नेशनल लोक अदालत के

उद्घाटन अवसर पर विद्यादायिनी इंस्टीट्यूट भोपाल के विधि विद्यार्थियों द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समन्वय से सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन एवं समाज के विचारो को लेकर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय भोपाल के प्रवेश द्वार स्थित हाल में विधि विद्यार्थियों द्वारा रंगोली बनायी गई और विधिक सेवा प्राधिकरण की समस्त योजनाओं के प्रिंट लगाकर आमजन को बताया गया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के पंपलेट वितरित किये गये।

लोक अदालत आए यह रोचक मामले

विद्युत न्यायालय शैलजा गुप्ता के न्यायालय में अभियुक्त द्वारा अपने प्रकरण में 7,62,104 रुपये की राशि मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड पश्चिम संभाग में जमा कर अपने प्रकरण का निराकरण कराया गया।

कुटुंब न्यायालय के प्रकरण में पति- पत्नी के विवाद का मामला न्यायालय न्यायाधीश वर्षा शर्मा द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायालय कुटुंब न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए, जिसमें न्यायाधीशगण द्वारा सुलह समझौता के माध्यम से पक्षकारों के मध्यम राजीनामा कर प्रकरण का निराकरण किया गया। प्रकरण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र द्वारा पति-पत्नी को उपहार स्वरूप फलदार पौधा दिया गया।

मोटर दुर्घटना के एक प्रकरण में हुआ एक करोड़ 86 लाख रुपये का मुआवजा राशि का भुगतान।

नेशनल लोक अदालत के माध्यम से गठित खंडपीठ न्यायाधीश अजय नील करोठिया के न्यायालय में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के एक प्रकरण में दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से आइसीआइसीआइ लोम्बार्ड कंपनी द्वारा 1,86,00000 रूपये की मुआवजा राशि का भुगतान किया गया।

न्यायालय न्यायाधीश संतोष कोल साहब के न्यायालय में लंबित एक प्रकरण में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी द्वारा नेशनल लोक अदालत मे एक ही दुर्घटना से संबंधित प्रकरणों में 83,70,000 रुपये का दोनों पक्षकारों की सहमति से निराकरण किया गया।

नजीराबाद में सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर खूनी संघर्ष

दो की मौत, दस घायल

सिटी चीफ भोपाल।

नजीराबाद थाना इलाके के गुर्जर बाहुल्य शुक्ला गांव में सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर हुए खूनी संघर्ष में दो लोगों की मौत हो गई। गांव के पूर्व और वर्तमान सरपंच परिवारों के बीच यह रंजिश सरपंच चुनाव के समय से ही चली आ रही है। शनिवार सुबह एक सरकारी जमीन पर कब्जा करने को लेकर दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान फरसा, लाठी और तलवार भी चले। इसमें गंभीर चोट लगने से पूर्व सरपंच के परिवार के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्ष के लगभग 10 लोग घायल हो गए। तनाव को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। करीब 50 एकड़ की जिस सरकारी जमीन का लेकर खून बहा, उस पर अनाज भंडारण के लिए साइलो स्थापित किया गया था। टेंडर समाप्त होने के कारण जमीन हाल ही में खाली हुई है।

नजीराबाद थाना प्रभारी एचएस वर्मा ने बताया कि शुक्ला गांव में सरकारी अनाज भंडारण के लिए

टेंडर समाप्त होने पर साइलो हटा दिया गया है। इस वजह से करीब 50 एकड़ सरकारी जमीन खाली हो गई है। इस जमीन पर कब्जा करने के लिए शनिवार सुबह करीब 10 बजे पूर्व सरपंच गनपत गुर्जर के परिवार से जसमल गुर्जर और रंगलाल ट्रैक्टर लेकर पहुंचे। इस बात का पता चलने पर वर्तमान सरपंच भूरी बाई का पति रूपसिंह अपने परिवार को लोगों के साथ मौके पर पहुंचा और कब्जा करने का विरोध किया। देखते ही देखते दोनों तरफ से झगड़ा शुरू हो गया।

मृतक एक ही परिवार के.... खूनी संघर्ष की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां चेक करने के बाद डाक्टर ने जसमल और रंगलाल को मृत घोषित कर दिया। घायलों में पूर्व सरपंच के पुत्र हरिनारायण गुर्जर, राजू गुर्जर, दीप सिंह गुर्जर, कंचन गुर्जर और बलराम गुर्जर शामिल हैं। दूसरे पक्ष के मांगीलाल, रूपसिंह, संजू आदि घायल हैं। कड़ी सुरक्षा के बीच दोपहर में दोनों मृतकों का गांव के श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। क्षेत्र में पुलिस बल तैनात है।

फर्जी बैंक गारंटी लगाकर लिया था टेंडर

प्रबंधक सहित दो के खिलाफ प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निकाले गए टेंडर में कोलकाता की एक कंपनी द्वारा भरे गए टेंडर में गारंटी के फर्जी दस्तावेज लगाने का मामला सामने आया है। विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक की ओर से मामले की शिकायत अशोका गार्डन थाने में की गई थी। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद टेंडर लेने वाली कंपनी के प्रबंधक के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। अशोका गार्डन थाना पुलिस ने बताया कि निष्ठा परिसर गोविंदपुरा स्थित विद्युत वितरण कंपनी की महाप्रबंधक गुरुप्यारी सक्सेना ने थाने में एक शिकायती आवेदन दिया था। जिसमें उन्होंने बताया कि कंपनी की ओर से

बिजली के मीटर लगाने के लिए 26 करोड़ रुपये का एक टेंडर निकाला गया था। पूरी प्रक्रिया अपनाने के बाद यह टेंडर कोलकाता पश्चिम बंगाल की कंपनी को दिया गया। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में पता चला कि कंपनी की ओर से जो गारंटी लगाई गई है, वह फर्जी है। इस पर पुलिस ने कोलकाता की कंपनी के प्रबंधक सौरभ मलिक व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

क्रिप्टो एक्सचेंज तैयार कर 10 हजार लोगों से ठगे पांच करोड़ रुपये, दो गिरफ्तार, दुबई से जुड़े तार

सिटी चीफ भोपाल।

क्रिप्टो करेंसी और बिटकाइन की तरह डिजिटल काइन में वेबसाइट के माध्यम से निवेश कराने व करोड़पति बनाने का सपना दिखाकर ठगी करने वाले शातिर जालसाज मप्र के शाजापुर निवासी त्रिलोक पाटीदार और उसके साथी भोपाल निवासी अमर लाल बाधवानी को साइबर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों ने फर्जी क्रिप्टो एक्सचेंज बनाकर देशभर के करीब 10 हजार लोगों को जोड़ा और उनसे करीब पांच करोड़ रुपये की ठगी की है। क्रिप्टो एक्सचेंज बनाने वाले मुख्य आरोपित की तलाश की जा रही है। गिरोह का सीधा संपर्क दुबई से मिला है। गिरफ्तार दोनों आरोपित भी एफआइआर की भनक लगने के बाद दुबई भागने के फिराक में थे कि पकड़े गए। अब इस मामले में सेंट्रल एजेंसियों को सूचना दी जा रही है। साइबर पुलिस के मुताबिक भोपाल के कटारा हिल्स निवासी राजेंद्र विराज सिंह ने शिकायत की थी कि वेबसाइट के माध्यम से क्रिप्टो में निवेश कर रुपये को तीन गुना करने का झांसा देकर उनके एक लाख 15 हजार रुपये हड़प लिए गए। पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर आरोपितों की

तलाश शुरू की तो सबसे पहले ग्राम बेहराबल, जिला शाजापुर निवासी त्रिलोक पाटीदार को हिरासत में लिया। वह नर्मदापुरम रोड स्थित विद्यानगर में किराए के कमरे में रह रहा था। पूछताछ में उसने क्रिप्टो एक्सचेंज से माध्यम से ठगी के धंधे का राजफाश किया। त्रिलोक ने ही बताया कि वेबसाइट को बनाने में जेके रोड पिपलानी निवासी अमर लाल बाधवानी का भी सहयोग था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक्सचेंज बनाने वाला मुख्य आरोपित हाथ नहीं आया। आरोपितों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन, एक सिम कार्ड, लैपटाप और एक पीसी जब्त किया गया है।

देशभर में बनाई 10 हजार लोगों की आइडी

शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि त्रिलोक पाटीदार गोल्ड डेजर्ट काइन नामक कंपनी का मुख्य प्रमोटर है। वह अलग-अलग राज्यों में जाकर जीडीसी काइन (ग्लोबल डिजिटल क्लस्टर काइन, जो एक नए जमाने का प्रोटोकाल है और जो डिजिटल संपत्ति को अंतरराष्ट्रीय भुगतान और अनुप्रयोगों के लिए एक केंद्र के रूप में सेवा करने की अनुमति देता है) में निवेश करने के लिए लोगों को उकसाता था। वह कहता था कि जो निवेश करेंगे, उन्हें बिटकाइन की तरह मुनाफा होगा। उसने 10 हजार लोगों को जोड़ा और उनकी आइडी तैयार की। इस तरह वह अब तक करीब पांच करोड़ रुपये ठग चुका है।

खुद का क्रिप्टो एक्सचेंज बनाकर करने लगा ठगी

पुलिस की पड़ताल में सामने आया है कि त्रिलोक पाटीदार ने 40 लाख रुपये खर्च कर ट्रेड क्रिप्टो 24 के नाम से क्रिप्टो एक्सचेंज बनाया। इसके लिए उसने जीडीसी काइन और ट्रेड क्रिप्टो 24 एक्सचेंज का कहीं भी कोई पंजीयन नहीं कराया। यह एक्सचेंज लोगों से निवेश कराकर उनसे ठगी के लिए ही बनाया गया। आरोपित छोटे-छोटे पे-आउट करते थे। बड़े पे-आउट रोक देते थे। लोगों को लगता था कि निवेश किए गए रुपये में मुनाफा मिल रहा है। आरोपित पूरे देश में वेबसाइट का उपयोग कर ठगी कर रहे थे। निवेश की राशि के तीन गुने का झांसा दिया त्रिलोक पाटीदार ने राजेंद्र विराज सिंह से बेवसाइट golddesertcoin.info के माध्यम से एक लाख 15 हजार रुपये निवेश कराया और बताया कि डीजीसी काइन में निवेश करने पर उसके रुपये करीब तीन गुना हो जाएंगे। पीड़ित को जब कोई लाभ नहीं हुआ तो उसने पुलिस में इसकी शिकायत कर दी।

अर्थी पर दादा-दादी के बीच नन्हे पोते को देख हर दिल से उठी

मां बिलखते हुए बोली- उठ जा मेरे लाल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सलकनपुर देवी धाम से लौटते वक्त भैरव घाटी पर हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार 6 सदस्यों की मौत हो गई। हादसे में बुरी तरह घायल छह माह का वह नन्हा बालक भी अस्पताल में उपचार के दौरान शांत हो गया, जिसके मुंडन के लिए परिवार के 12 सदस्य प्राइवेट वाहन से गए थे। वह हादसे के बाद से ही वेंटिलेटर पर था। शुक्रवार को छोला विश्राम घाट में अंतिम संस्कार के दौरान नन्हे व्योम के शव को लाकर अर्थी पर जब दादा राजेंद्र चौकसे और दादी उषा के शव के बीच लिटाया गया, तो यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति का दिल चीत्कार कर उठा। बच्चे के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। व्योम की बदहवास मां शिखा (35) अपने कलेजे के टुकड़े को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। वह व्योम के चेहरे को हाथ में लेकर बिलखते हुए बस एक ही रट लगाए जा रही थी- उठ जा मेरे लाल। तेरे बगैर मैं कैसे जियूंगी? आसपास के लोगों ने बड़ी मुश्किल से मां को व्योम से अलग किया और उसे वहां से ले गए। इसके बाद अंतिम संस्कार

की बाकी रस्में अदा हुईं।

बता दें कि शुक्रवार शाम सलकनपुर धाम की भैरव घाटी पर डिवाइडर से टकराने के बाद कार पलट गई थी। इस दुर्घटना में कार चालक सहित सहित सात लोगों की मौत हो गई। चौकसे परिवार के बेटे मोहित की दो वर्ष पहले शादी हुई थी। उनके बेटे व्योम का मुंडन अक्षय तृतीया पर कराने और देवीधाम सलकनपुर के दर्शन करने का कार्यक्रम बनाया गया था। इसके लिए पांडे परिवार के अलावा उनके रिश्तेदार सहित 11 लोग कार से सलकनपुर रवाना हुए थे। कार विश्वकर्मा नगर निवासी लक्ष्मीनारायण चौकसी चला रहा था। धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करने के बाद सभी कार से घर के लिए वापस लौट रहे थे। शाम करीब छह बजे देवी धाम की सड़क पर भैरव घाटी के मोड़ पर चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया था। जिसके चलते कार सड़क किनारे बनी कंक्रीट की दीवार से टकराकर पलट गई थी।

दो लोगों ने मौके पर तोड़ दिया था दम

हादसे में कार चालक लक्ष्मीनारायण परिवार के मुखिया 72 वर्षीय शारदा प्रसाद और 70 वर्षीय राजेंद्र पांडे की मौके पर मौत हो गई थी सभी घायलों को नर्मदापुरम के अस्पताल पहुंचाया गया था। वहां उपचार के दौरान शारदा प्रसाद की पत्नी 60 वर्षीय अपर्णा और राजेंद्र पांडे की पत्नी 60 वर्षीय ऊषा एवं एक रिश्तेदार 85 वर्षीय पुष्पलता अवस्थी की मौत हो गई थी।

पीएचडीसीसीआइ एमपी चैप्टर की यंग इंटरप्रेन्योर कौंसिल के अध्यक्ष बने करण खुराना

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पीएचडी चैंबर आफ आमर्स एंड इंडस्ट्री, मध्य प्रदेश चैप्टर के सदस्यों की तिमाही बैठक अपोलो सेज हॉस्पिटल्स के बोर्ड रूम में शनिवार को आयोजित की गई। पीएचडीसीसीआइ एमपी चैप्टर के चेयरमैन इंजी संजीव अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक के पहले सत्र में नवगठित यंग इंटरप्रेन्योर कौंसिल पर विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने सेज ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर करण खुराना को सर्वसम्मति से इसका अध्यक्ष चुना। उनका कार्यकाल एक वर्ष रहेगा।

पीएचडीसीसीआइ एमपी चैप्टर के चेयरमैन इंजी संजीव अग्रवाल व को-चेयर मनोज मोदी ने मेंबर्स को बताया कि यंग इंटरप्रेन्योर कौंसिल के गठन से चैम्बर व देश की प्रगति को एक नई दिशा मिलेगी। पीएचडीसीसीआइ बैनर के तहत संचालित इस नए प्लेटफार्म का उद्देश्य नई पीढ़ी के उद्यमियों के लिए अवसर

प्रदान करना है। युवा नेतृत्व व युवा सोच निश्चित रूप से मध्य प्रदेश के आर्थिक व सामाजिक विकास में अमूल्य योगदान देंगे।

बैठक के बाद यंग इंटरप्रेन्योर कौंसिल की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चुने गए करण खुराना ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि अभी भी मध्य प्रदेश में स्टार्टअप्स के लिए अपार संभानाएं हैं, जिन्हे यंग एंट्रेप्रेनुएरशिप कौंसिल के द्वारा आगे बढ़ाया जाएगा। हमारा प्रयास रहेगा कि विश्लेषणात्मक सोच, रचनात्मकता और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से युवा सोच, युवा नेतृत्व को और सुदृढ़ व सक्षम बनाएं। अपनी नेटवर्किंग क्षमताओं का लाभ उठाकर, हम संभावित तालमेल को उजागर करना चाहते हैं और व्यवसाय विकास के लिए नए रास्ते बनाना चाहते हैं। हमारे फोकस क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, ऊर्जा का भविष्य, डिजिटल शिक्षा, आधुनिक रियल एस्टेट, जैविक उद्योग और स्टार्टअप के विकसित परिदृश्य सहित एक विस्तृत स्पेक्ट्रम शामिल है।

इस बैठक में इशिता मोदी, अवधेश माहेश्वरी, आदित्य अग्रवाल, विवेक चौधरी, राहुल चौकसे, कार्तिक चावला, अमृता सिंघविकर समेत अनेक युवा उद्यमी उपस्थित रहे।

आवारा श्वान का आतंक, 07 साल के मासूम पर हमला कर नोंचा

सिटी चीफ भोपाल।

शहर की सड़कों पर घूमते आवारा श्वानों द्वारा लोगों और खासकर बच्चों पर हमले की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला जहांगीराबाद इलाके के जिंसी का है, जहां 07 साल के मासूम पर आवारा कुत्तों ने हमला कर उसे बुरी तरह से जख्मी कर दिया। कुत्तों के हमले से बच्चे के कमर के निचले हिस्से में कई जख्म आए। आसपास से गुजर रहे लोगों ने कुत्तों को दूर हटाते हुए बच्चे को बचाया। जहांगीराबाद इलाके में तीन हफ्तों में बच्चे पर कुत्तों के हमले की यह तीसरी घटना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बैंक कालोनी, जिंसी में तासिन खान (7) शनिवार रात करीब 09 बजे सड़क पर खेल रहा था। तभी वहां घूम रहे कुत्तों ने अचानक उस पर हमला कर दिया और उसे नोंचने लगे। आसपास के लोगों ने दौड़कर उसे कुत्तों से बचाया। बच्चे के स्वजन तुरंत उसे लेकर जेपी अस्पताल पहुंचे, जहां बच्चे का उपचार किया गया और उसे इंजेक्शन लगाए गए। गौरतलब

है कि जहांगीराबाद के जिंसी इलाके में बीते तीन हफ्ते में आवारा श्वानों के हमले की यह तीसरी घटना है। विगत 24 अप्रैल को जहांगीराबाद इलाके में एक आवारा श्वान ने राह से गुजर रहे दो बच्चों पर हमला कर दिया था, जिन्हें आसपास के लोगों ने बचाया था। उस आवारा श्वान ने युवक को भी काटने की कोशिश की थी। उसके कुछ दिन बाद ही अफजल कालोनी में एक 12 वर्षीय बच्चे पर भी श्वान के हमले की घटना सामने आई थी। इलाके के लोग आवारा श्वानों के बढ़ते हमलों से परेशान हैं, इसके बावजूद नगर निगम का अमला कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

रिश्ते के मामा ने आठ वर्ष की बालिका से किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

परवलिया सड़क थाना इलाके में आठ साल की एक बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची के साथ यह घिनौनी हरकत करने वाला कोई और नहीं उसका मामा है। बच्ची मौसेरे भाई के मुंडन कार्यक्रम में पहुंची थी, जहां पर आरोपित ने मौका पाकर इस घटना को अंजाम दिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दुष्कर्म, पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। परवलिया सड़क थाना पुलिस के मुताबिक लांबाखेड़ा में रहने वाली बालिका शुक्रवार को अपनी मां के साथ मौसी के बच्चे के मुंडन कार्यक्रम में आई थी। उस कार्यक्रम में उसकी मां का फुफेरा भाई विनोद अहिरवार भी मौजूद था। सभी लोग कार्यक्रम में व्यस्त थे, तभी विनोद बालिका को उठाकर कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। साथ ही धमकाकर उसे कमरे से भगा दिया। डरी-सहमी बालिका की कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने लगी। पूछने पर उसने घटना के बारे में मां को बताया। इसके बाद वह बेटी को लेकर थाने पहुंची और आरोपित के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। वह शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं।

संपादकीय

नर्सिंग का पेशा दुनियाभर में भरोसेमंद

हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस 12 मई को पूरे विश्व में मनाया जाता है। बहुत से देशों में 6 मई से 12 मई तक नर्सिस सप्ताह मनाया जाता है। पूरे सप्ताह सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है जिसमें अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तरीय ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाता है जो नर्सिस की कार्यशैली में गुणवत्ता लाने में सहायक होता है। हर वर्ष नए थीम के साथ यह दिवस मनाया जाता है जो नर्सिंग पेशे में गुणवत्ता लाने के लिए प्रेरित करता है। इसी कड़ी में वर्ष 2024 का थीम है ह्यहमारी नर्सें, हमारे भविष्य, रोगी देखभाल की आर्थिक शक्तिह्न। नर्सें लोगों की सेहत को बनाए रखने में नींव का पत्थर होते हुए अपने आप आर्थिक और सामाजिक समस्याओं से हमेशा संघर्षशील हैं। इसलिए इस वर्ष के थीम में प्रमुखता से नर्सिंग पेशे/क्षेत्र में रणनीतिक निवेश के ऊपर जोर देता है। नर्स किसी भी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, चाहे वह सार्वजनिक हो या निजी। वे चिकित्सा प्रतिष्ठान में प्रवेश करने से लेकर बाहर निकलने तक अपने मरीजों की भलाई के लिए जिम्मेदार हैं। वे चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए डॉक्टरों के साथ सांझेदारी करती हैं। वे मरीजों के स्वास्थ्य और महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी करती हैं। इस वजह से नर्सिंग का पेशा दुनिया भर में सबसे भरोसेमंद पेशों में से एक पेशा बन गया है।

पहले इसे एक मामूली पेशे के रूप में देखा जाता था, परंतु फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक संगठित पेशा बनाया। 1860 में पहला आधिकारिक नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाकर और नर्सों के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में चिकित्सा और देखभाल के आधुनिक विचारों को एकीकृत करके नर्सिंग पेशे की स्थिति को ऊंचा उठाने में मदद की। नाइटिंगेल ने देखभाल के मानक स्थापित किए। पूरे विश्व में नर्सिंग क्षेत्र में क्या नए विकास/अनुसंधान हुए, उन सबके अवलोकन के लिए 1965 में दुनिया भर में 20 मिलियन से अधिक नर्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले 130 से अधिक राष्ट्रीय नर्सिस संघों का एक संघ, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सिंग ने 12 मई को पहली बार फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर नर्सों का जश्न मनाया। 1974 में आधिकारिक तौर पर इसे अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस नाम दिया गया था। इस दिवस का उद्देश्य एक स्वस्थ और फिट समाज को बनाए रखने में नर्सिस की कड़ी मेहनत को पहचानना और उसका जश्न मनाना है। नर्सिंग स्टाफ के कई कार्यस्थल मुद्दों और चिंताओं पर ध्यान आकर्षित करने में मदद करता है। यह एक व्यवहार्य और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण करियर के रूप में नर्सिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। क्योंकि एक अनुमान के अनुसार 2030 तक सारे संसार में 18 मिलियन स्वास्थ्य कर्मचारी कम होंगे, इसके लिए अधिक भर्ती, प्रशिक्षण आदि के लिए ठोस कार्रवाई पर जोर दिए जाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में नर्सिंग स्टाफ के महत्व का असली पता हमें कोविड-19 और कोविड-20 में लगा, जब नर्सिस ने अपने आप को अग्रिम पंक्ति की कार्यकर्ता बनकर खुद को आग से खेलने के लिए तैयार किया। अपने परिवार को दूर रखा, परिवार के डर को कम करने के लिए जानबूझकर जानकारी छिपाई। पीपीई किट के साथ 12-12 घंटे मौत के साये में काम किया। महामारी की पहली लहर के दौरान आईसीएन ने दुनिया भर में नर्सिस के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों में 60 प्रतिशत से 80 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। यह अपर्याप्त जनशक्ति के कारण नर्सिस को अधिक काम के दबाव के कारण हुआ। सारे विश्व में नर्सिस की 10 मिलियन तक की कमी है। 2018 में एक अध्ययन के अनुसार जिन रोगियों को गहन देखभाल की आवश्यकता होती है, वे अपना 86 प्रतिशत से 88 प्रतिशत समय नर्स के साथ बिताते हैं। नर्सिंग एक विविध क्षेत्र है।

अजन्मे बच्चे की देखभाल से लेकर जीवन के अंत तक देखभाल करने तक नर्सें प्रतिदिन जीवन और मृत्यु के मामलों को निपटाने के लिए उच्च तनाव वाले वातावरण में काम करती हैं। 2006 में मेडसर्ग नर्सिंग द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि एक नर्स एक औसत शिफ्ट के दौरान 8 किलोमीटर चलती है। नर्सें कई रोगियों की देखभाल की पहली पंक्ति होती हैं, इसलिए उन्हें अक्सर रोगियों या उनके परिवारों की ओर से हिंसा का शिकार भी होना पड़ता है। नर्सें अपना जीवन दाव पर लगाकर उन लोगों की देखभाल करती हैं जो संक्रामक रोगों के कारण बीमार होते हैं। भारत में 35.14 लाख रजिस्टर्ड नर्सिस हैं, जिसका अनुपात 2.06 नर्सिस प्रति 1000 व्यक्ति बनता है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक, जो 3 नर्सिस प्रति हजार व्यक्ति है, से काफी नीचे है। भारतवर्ष में इस अनुपात के कम होने का कारण यह भी है कि अच्छे वेतन के लिए भारत से नर्सिस का पलायन दूसरे देशों को हो रहा है। सरकार को इस दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में यह अनुपात और निचले स्तर पर है। 9 जून 2023 के आंकड़ों के अनुसार हिमाचल के स्वास्थ्य विभाग में सिस्टर ट्यूटर के 29 पद, वार्ड सिस्टर और नर्सिंग सिस्टर के 27 पद, स्टाफ नर्स के 647 पद, मेल हेल्थ वर्कर के 1846 और फीमेल हेल्थ वर्कर के 1091 पद खाली हैं। हिमाचल की जनसंख्या इस समय 6864602 है। हिमाचल की जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुरूप स्वीकृत पदों को बढ़ाने की सख्त जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में ज्यादातर इलाके ग्रामीण एवं दुर्गम हैं। यहां नर्सिस ही महत्वपूर्ण रोल अदा करती हैं। नर्सिस के कार्य में गुणवत्ता लाने के लिए तथा कामकाजी परिस्थितियों में सुधार के लिए एक प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली को लागू करने की आवश्यकता है। इसके लिए हर महीने खंड स्तर, तहसील स्तर और जिला स्तर तथा अन्य संस्थानों के स्तर पर नर्सिस के साथ सभा हो तथा इनकी मांगों का मौके पर ही निपटारा हो।

नर्सिस को कार्य शिफ्टों में करना पड़ता है। इनकी सुविधा के लिए आवास अस्पताल या डिस्पेंसरी के परिसर में ही हो ताकि वे अपने बच्चों तथा बुजुर्गों को अपनी ड्यूटी के साथ-साथ देख सकें। नर्सिस की कोई भी भर्ती आउटसोर्सिंग पर नहीं होनी चाहिए। निजी स्वास्थ्य संस्थानों में नर्सिस को वेतन कम दिया जाता है तथा काम ज्यादा लिया जाता है। इसके लिए सरकार को अधिनियम बनाकर इनको सख्ती से लागू करना चाहिए ताकि नर्सिस को आर्थिक शोषण से बचाया जा सके। नर्सिस के लिए समय-समय पर योग सत्र लगाने चाहिएं ताकि उनको काम के बोझ से जो मानसिक तनाव है, उससे राहत दिलाई जा सके।

एक मजबूत नेता क्यों बोलेंगे झूठ!

माननीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी हमेशा खुद को एक मजबूत नेता के रूप में पेश करते हैं। वह अक्सर 56 इंच की छाती की बात करते हैं। उनके अनुयायी विरोध करने वाले पर लगाम लगाने, शहरी नक्सल को उखाड़ फेंकने, टुकड़े-टुकड़े गैंग को खत्म करने, पाकिस्तान को सबक सिखाने, अंग्रेजी को सहयोगी आधिकारिक भाषा की स्थिति से हटाने, मुख्यधारा की मीडिया को अपने इशारे पर नचाने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उनके प्रयासों को अक्सर रेखांकित करते हैं। ऊपर दिए गए इस अंश में जो भी आरोप लगाए गए हैं, वे झूठे हैं। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, झूठ बड़ा और अधिक अपमानजनक होता गया। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस संपत्ति से लेकर सोने, मंगलसूत्र और स्त्री धन से लेकर मकान तक, सब जब्त कर लेगी और उसे अधिक बच्चे पैदा करने वाले मुसलमानों और घुसपैठियों के बीच बांट देगी। एक अन्य रैली में, वे धर्म-आधारित आरक्षण और विरासत कर पर कूद पड़े। झूठ बोलने का कोई अंत नहीं था। इन बातों के तात्कालिक उद्देश्य स्पष्ट थे। यह सब मुस्लिमों की छवि खराब करने और मतदान का ध्रुवीकरण करने और हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने के लिए था। प्रधानमंत्री द्वारा झूठ बोला गया, यह सोचने की बात है, लेकिन उससे भी बड़ा सवाल यह है कि प्रधानमंत्री इस तरह के झूठ बोल क्यों रहे हैं? गौरतलब कि यह कोई एक झूठ नहीं है, झूठ की पूरी शृंखला है और लगातार जारी है। जिस प्रधानमंत्री को 370 या 400 से यादा सीटें जीतने का भरोसा था, वह अपने विरोधियों के बारे में इतनी लापरवाही से झूठ नहीं बोलेगा! वह विपक्षी दलों को अपने सबूत के साथ बहस में शामिल होने की चुनौती देंगे। झूठ को लड़ाई का एक मुख्य हथियार बनाना, पीएम मोदी का रिकॉर्ड नहीं, बल्कि एक रहस्य है, जिसे सुलझाया जाना है। आत्म संदेह क्यों ? ऐसा लगता है कि पीएम मोदी को ईवीएम में बंद रहस्यों का पता था। उनकी चिंता के कई कारण हो सकते हैं, क्योंकि इस बार जमीनी हालात 2019 की स्थिति से बहुत अलग हैं। सबसे पहली बात, पीएम मोदी चुनाव का नैरेटिव तय करने में सक्षम नहीं हैं।

सैम पित्रोदा के माध्यम से पश्चिम की साजिश

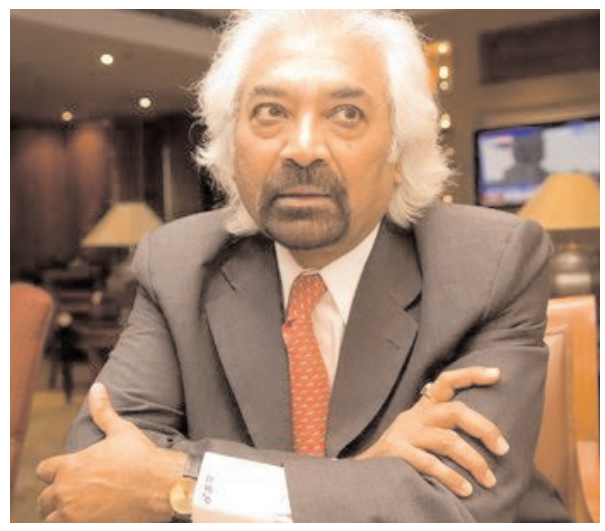

लगता है अब कांग्रेस अपने असली रंग में आना शुरू हो गई है। उसकी असलियत भारत के लोगों को पहले से ही ज्ञात है, लेकिन अभी तक कांग्रेस ने स्वयं अपने मुख से उसे कभी स्वीकारा नहीं था। लेकिन 2024 के लोकसभा के चुनावों ने तापमान इतना बढ़ा दिया है कि कांग्रेस ने एक के बाद एक अपने सभी आवरण उतारने शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष, सोनिया परिवार के अंतरंग, राहुल गान्धी के राजनीतिक गुरू सैम पित्रोदा ने भारत के लोगों के प्रति कांग्रेस की सोच को एक महत्वपूर्ण साक्षात्कार में प्रकट किया। सैम पित्रोदा अमरीका में रहते हैं। उन्होंने भारत के समाज शास्त्र को नए सिरे से पारिभाषिक करते हुए कहा कि पश्चिमी भारत में रहने वाले लोग अरबों जैसे हैं। पूर्वी भारत में रहने वाले लोग चीनियों जैसे हैं। दक्षिणी भारत में रहने वाले लोग अफ्रीकियों जैसे हैं। उत्तरी भारत में रहने वाले लोग गोरों जैसे हैं। सैम पित्रोदा अमरीका में रहते हैं। अमरीका में अधिकांश गोरे इंग्लैंड से ही गए हुए हैं। इसलिए सैम को लगता होगा कि यदि भारत में अरब, अफ्रीकी, चीनी जैसे लोगों पर ही अध्ययन खत्म कर दिया तो अमरीका क्या कहेगा? सैम को अमरीका का कर्ज भी चुकाना था। इसलिए उन्होंने उत्तरी भारत को ह्यगोरोंह्न के खाते में जोड़ दिया। लेकिन जहां तक दक्षिण भारतीयों का सवाल है, उनको सैम पित्रोदा ने अफ्रीकियों के साथ उनके रंग के आधार पर ही जोड़ा होगा, क्योंकि दोनों का रंग काला है। दूसरी कोई समानता तो उनकी आपस में मिलती नहीं। लेकिन क्या केवल रंग को आधार बना कर कांग्रेस के बुद्धिजीवी उनको अफ्रीकी कहना शुरू कर देंगे? बाबा साहिब अंबेडकर ने कहा था कि हिन्दुस्तान में और अनेक कारणों से समाज में भेद-व्यवहार हो सकता है, लेकिन रंग कभी भी भेदभाव का आधार नहीं रहा। पश्चिम में इसके विपरीत है। वहां भेद का आधार ही रंग भेद है। वहां का समाज रंगभेद पर आधारित है। कांग्रेस और उसके गुरू सैम पित्रोदा भी भारत को पश्चिम की समाजशास्त्रिय दृष्टि से समझने की कोशिश करते हैं, इसलिए उनके अध्ययन में दक्षिण भारत अफ्रीका बन जाता है। जाहिर है सोनिया गान्धी को सैम पित्रोदा के इस अध्ययन में कुछ अनुचित नहीं लगता होगा, क्योंकि वे भी भारत को पश्चिम के चश्मे से ही देखती हैं। पश्चिम के देश और सांस्कृतिक लिहाज से उनके प्रतिनिधि देश उत्तरी अमरीका भारत पर दोहरा आक्रमण करते हैं। वे भारत को सांस्कृतिक लिहाज से तोड़ना चाहते हैं क्योंकि भारत उनके ह्यकलैश ऑफ सिविलाईजेशनह्न के थीसिस में किसी प्रकार भी फिट नहीं बैठता। भारत दुनिया में सबसे पुरानी जीवन्त सभ्यता और संस्कृति वाला देश है। यूरोप दो हजार साल पुरानी संस्कृति का वाहक है। ब्रिटिश, पुर्तगाल और फ्रांसीसी शासन काल में भारत में भी प्रयोग किया गया कि भारतीय अपनी मूल संस्कृति, स्वभाव और प्रकृति को छोडकर पश्चिमी मान्यताओं में स्वयं को ढाल लें। इन यूरोपीय शासकों ने जब भारत छोड़ा तब उन्हें इस बात की तसल्ली थी कि जिन भारतीय शासकों के हाथ में वे शासन छोड़ कर जा रहे हैं वे भी इसी नीति को जारी रखेंगे। अब तक सभी कुछ उनकी योजना के अनुसार ही चल रहा था। भारत में कांग्रेसी शासन ने अंग्रेजों की उसी नीति को जारी रखा। यही कारण था भारतीयों के लिए पश्चिम एक मानक बना रहा। लेकिन पिछले एक दशक से भारतीयों ने सत्ता भाजपा को सौंप दी। भाजपा ने एक बार फिर से भारतीय स्वभाव और प्रकृति के साथ जुड़ना शुरू किया, तब पश्चिमी देशों और वहां के थिंक टैंकों को लगा कि यदि भाजपा ज्यादा देर सत्ता में रही तो उनकी चार सौ साल की मेहनत बेकार हो जाएगी। इतना ही नहीं, यदि भारत में सोनिया परिवार पराजित हो गया तो यूरोप की इस सांस्कृतिक नीति को क्रियान्वित कौन करेगा? लेकिन सोनिया परिवार कैसे जीते, इसके लिए वही यूरोपीय टोटके अपनाए जा रहे हैं जो निश्चय ही भारतीय जमीन पर बेकार सिद्ध होंगे। सैम पित्रोदा का यह टोटका उसी प्रकार का है। इसमें ताकत हो न हो, लेकिन यह भारत को बदनाम करता है, उसे अपमानित भी करता है। सैम ने अपने इस टोटके में कुछ और बातें भी कही हैं। उसका कहना है कि भाजपा राम मंदिर और रामनवमी के माध्यम से देश को चुनौती दे रही है। सैम के इस कथन का अभिप्राय तो यही हुआ कि राम और राम नवमी भारत के लिए विदेशी हैं जिनके माध्यम से भारत को चुनौती दी जा रही है। सैम पित्रोदा से पूछा जा सकता है कि यदि राम भारत के लिए विदेशी हैं और वे भारत को चुनौती दे रहे हैं तो भारत में देसी कौन है? बाबर, औरंगजेब या लार्ड माऊंटबेटन? दरअसल सोनिया कांग्रेस की जड़ें भारत की मिट्टी में न होकर उस विदेशी मिट्टी में हैं जिसे भारत में राम भी भारत को चुनौती देते लगते हैं। सोनिया कांग्रेस के ही एक नेता ने कहा था कि गोवा में तो भारत का संविधान थोपा गया था। यानी भारत के इस हिस्से में तो पुर्तगाल का संविधान ही उचित था। इससे स्पष्ट हो रहा है कि सोनिया कांग्रेस की परतें धीरे धीरे उतर रही हैं। लेकिन सैम पित्रोदा द्वारा भारत पर किए गए इस आक्रमण को आईसोलेशन में नहीं देखा जा सकता। यह लम्बी श्रृंखला की केवल एक कड़ी है। इस श्रृंखला का मूल सिरा अमरीका के हाथ में है। सैम पित्रोदा भारत के सामाजिक ताने बाने पर चोट कर रहे हैं तो अमरीका कनाडा के साथ मिल कर भारत की प्रकृति को विश्व में खंडित करने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं, उत्तरी अमरीका के ये देश भारत को खंडित करने की प्रक्रिया में उलझे हुए हैं। अमरीका और कनाडा ने गैंगवार में मारे गए निज्जर की हत्या और पन्नू को मारने के प्रयास की एक घटना परिचालित कर, इन दोनों घटनाओं को भारत के मत्थे मढ़ने का प्रयास किया है। समय के चुनाव पर ध्यान देना जरूरी है। जिस दिन कनाडा निज्जर की हत्या को लेकर भारत की तथाकथित संलिप्तता को लेकर कोई बयान देता है, उसके दूसरे या तीसरे दिन अमरीका भी गुरपतवन्त सिंह पन्नू की तथाकथित हत्या के प्रयास में भारत की संलिप्तता को लेकर जरूर कोई न कोई बयान देता है। मकसद इतना ही है कि दोनों के बयान का सामूहिक प्रभाव विश्व जनमानस पर पड़े। अमरीका भारत का एक 'रोग स्टेट' की तरह का इमेज स्थापित करना चाहता है और सैम पित्रोदा उसकी सामाजिक संरचना को तार तार करने के प्रयास में लगा हुआ है। कांग्रेस का ही एक दूसरा वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी, जो पंजाब में मुख्यमंत्री भी रह चुका है, कुलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादी हमले में हुए शहीद सैनिक का उपहास उड़ाता है। यूरोप की ईसाई मिशनरियां पिछले लम्बे अरसे से मांग कर रही थीं कि भारत सरकार अपनी जनगणना नीति में परिवर्तन करे। वह जनगणना जाति के आधार पर करे। इसका इन मिशनरियों को एक लाभ है। भारत की सामूहिक पहचान को धुंधला किया जा सकता है। अब सोनिया परिवार के प्रमुख सदस्य राहुल गान्धी ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो वह जनगणना के समय ह्यसरना कोडह्न स्थापित करेगी। कांग्रेस की रणनीति को समझने के लिए केवल सैम पित्रोदा को समझना ही काफी नहीं है, कनाडा और अमरीका के व्यवहार को समझना होगा। सभी मिल कर भारत की घेराबन्दी कर रहे हैं और उनकी साजिशों को सफल बनाने के लिए भारत में भी बहुत मिल ही जाते हैं। बाबा साहिब अंबेडकर ने संविधान सभा के अपने अंतिम भाषण में इसी खतरे की ओर संकेत किया था। सैम पित्रोदा सीमाओं को लांघकर बयान दे रहे हैं और भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

मां मेरी प्रेम की परिभाषा है: तुम अपनी मां पर गई हो, जब सुनती हूं तो मन मानों अभिमान और गौरव से भर उठता है!

जिसने मुझे लिखा उस पर कुछ लिखने की कोशिश कर रही हूं। यूं तो यह लाइन काफी पुरानी है, लेकिन इसके बिना मां के बारे में कुछ लिखना या कहना अधूरा सा लगता है। मां, इस एक शब्द को बोलने भर से और उसके होने से पूरा जीवन निखर जाता है। अक्सर कहा जाता है कि भगवान हर जगह नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने मां बनाई। मां जो अपनी ममता के साए में हमारी रक्षा करती है, हमें प्यार करती है और प्यार करना सिखाती है। मां सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ रचना है। मां और बच्चे का रिश्ता पूरी धरा पर सबसे पावन रिश्ता है, जिसमें कोई छल नहीं है... सिर्फ है तो प्यार , दुलार और देखभाल।

जब एक नारी मां बनती है, तो वह अपना सब कुछ दांव पर लगा देती है। एक संतान को जन्म देना स्त्री के लिए भी पुनर्जन्म जैसा होता है। यह सब जानने के बाद भी स्त्री हर दर्द को सह लेती है, लेकिन इसका फल उसे उस दिन मिल जाता है, जिस दिन बच्चा अपने मुख से पहला शब्द मां बोलता है। बच्चे के जन्म से लेकर अपनी आखिरी सांस तक एक मां बच्चे की देखभाल करती है।मां का स्नेह निस्वार्थ होता है, जो संतान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने की ताकत रखता है। यह भाव प्राकृतिक दृष्टि से भी इतना प्रबल होता है कि यह विद्या और बुद्धि संपन्न नारी जाति में ही नहीं, बल्कि धरती पर मौजूद सभी जीवों में संव्याप्त है। जिस प्रकार स्कूल से लौटते बच्चे को देखकर एक मां के कलेजे में ठंडक पहुंचती है, उसी प्रकार संध्या बेला में घर लौटती गौ माता भी अपने बछड़े से मिलकर खुद को तृप्त पाती है। इस संसार में ऐसा कोई नहीं जो एक मां की तरह प्रेम करना जानता हो। इस बात की अनुभूति मुझे मेरी मां को देखकर होती है। कई बार लोग मेरी मां की तस्वीर देखकर कहते हैं, %तुम अपनी मां पर गई हो%। यह सुनकर मुझे जितना गर्व होता है, उतना ही आश्चर्य भी होता है। ऐसी प्रशंसा से मेरा मन गदगद हो जाता है, जो मेरी मां और मेरे चेहरे को देखकर दी जाती है। लेकिन व्यक्तिगत तौर पर देखूं तो मुझे अपनी मां से प्यार करने का तरीका, रिश्ते निभाने की समझ, हिम्मत न हारने का साहस, हर परिस्थिति में डटे रहने की ताकत और साफ दिल रखने की नीयत विरासत में मिली है। हां, लेकिन यह कहना जरूरी होगा कि मैं इन सभी बातों में कभी मां की बराबरी नहीं कर सकती। हमारे जीवन में प्रेम का बड़ा महत्व है, इस बात का अहसास भी मुझे मेरी मां को देखकर हुआ, जिस तरह मेरी मां ने मेरे पिता से प्रेम किया। उनके साथ हर परिस्थिति में खड़ी रहीं। कहीं न कहीं यह गुण मुझमें भी हैं और मैं इस बात को बड़े नाज के साथ कह सकती हूं, कि मेरी मां ने मुझे प्रेम करना सिखाया। बिना किसी लालच और बिना किसी शर्त के मां ने मुझे इतना प्यार किया, कि मेरे लिए प्रेम की परिभाषा भी वही बन गई। ऐसे में लाजमी था कि मैंने भी उसी तरह प्रेम किया। मां कहती है %प्रेम बलिदान है, जो हर किसी के बस की बात नहीं। जो सच में प्रेम करता है वह बदले में कुछ न पाकर भी निस्वार्थ भाव से प्रेम करता रहता है।% संसार के सभी रिश्तों की आंच किसी न किसी प्रतिफल की उम्मीद में जलती है। लेकिन मां का प्रेम निश्छल होता है। मुझे खुद पर नाज है कि मैंने भी मां से ऐसे ही प्रेम करना सीखा है। मेरी मां के पास मेरी समस्याओं के तो सारे हल होते हैं, लेकिन कभी-कभी मेरी सुपर मॉम अपने जीवन की रेस में ही मात खा जाती है। गलतियां वो भी करती है पर वह उनसे भी सीख कर हमें सिखाती है, और चाहती है जो परेशानियां उस पर आई वो हम पर कभी न आए। मां इतनी भोली होती है कि पूरा दिन बस दूसरों के लिए खटती है। हां मुझे बहुत डांटती है, लेकिन घर में खाना भी मेरी पसंद का ही बनाती है। मेरे कपड़ों की बिखरी हुई अलमारी से लेकर मेरे जीवन की आफतों तक को समेट लेती है। मेरे सुबह के नाश्ते से लेकर आधी रात को लगने वाली प्यास का ख्याल रखती है। मेरी सिसकियों से लेकर मेरे जख्मों पर मरहम लगाती है। बिना कुछ कहे मेरी आंखें पढ़ लेती है, जब दुनिया से ठोकर मिलती है तो वो सहारा देती है। मां पूरे विश्व को प्रेम से अपनी बांहों में भर लेने वाली भावना है। उदारता का दूसरा नाम यानी मेरी मां केवल मुझे ही नहीं बल्कि दूसरों को भी वैसा ही प्यार देती है। इसलिए मां पूजनीय है, वंदनीय है, रक्षणीय है और महान है।

आपद-काल में नहीं लगता कोई दोष, संस्कृति के पन्नों से जानें पूरी कहानी

एक समय की बात है, जब कुरुदेश में बड़ी भयंकर ओला-वृष्टि हुई। राय की फसलें नष्ट हो गईं, वनस्पति को भारी क्षति हुई और प्रदेश में भयानक अकाल पड़ गया। भूख से पीड़ित प्रजा प्रदेश छोड़कर जाने लगी। उसी राय में उषस्ति नाम का एक ब्राह्मण रहता था। उसकी स्त्री का नाम आटिकी था। उषस्ति ने आटिकी के साथ राय छोड़ दिया। दोनों घूमते हुए एक गांव में पहुंचे। उषस्ति और आटिकी ने कई दिनों से कुछ खाया नहीं था। भूख के मारे दोनों का बुरा हाल था। उषस्ति की दशा यादा खराब थी। उसे पता था, यदि उसे कुछ और समय भोजन नहीं मिला, तो निश्चित रूप से उसके प्राण निकल जाएंगे।इसी बीच एक घर के सामने से गुजरते हुए उषस्ति ने देखा कि अंदर बैठा व्यक्ति उड़द खा रहा है। उषस्ति से रहा नहीं गया। वह घर के अंदर गया और उस व्यक्ति से थोड़ा उड़द देने को कहा। वह व्यक्ति बोला, आप ब्राह्मण हैं। मैं कुछ उड़द खा चुका हूं, इसलिए ये जूठे हो गए हैं। मेरे पास आपके लिए बिना जूठा उड़द नहीं हैं उषस्ति बोले, 'कोई बात नहीं। तुम यही उड़द मुझे दे दो। उस व्यक्ति ने उषस्ति को थोड़े-से उड़द दे दिए। उषस्ति ने झटपट उड़द खा लिए। फिर जब उस व्यक्ति ने पीने के लिए पानी दिया, तो उषस्ति ने पानी पीने से मना कर दिया और कहा, 'मैं यह जल नहीं पी सकता, क्योंकि मुझे उच्छिष्ट-पान (जूठन खाने) का दोष लग जाएगा। उस व्यक्ति को बहुत आश्चर्य हुआ। उसने पूछा, ब्राह्मण देवता, आपने मेरे जूठे उड़द तो खा लिए, फिर जूठा जल पीने में क्या आपत्ति है?' उषस्ति ने कहा, 'यदि मैं उड़द नहीं खाता, तो मेरे प्राण निकल जाते। प्राणों की रक्षा के लिए उपाय करना आपद्धर्म कहलाता है। आपद्धर्म में किसी तरह का दोष नहीं लगता। लेकिन अब मेरे प्राणों पर कोई संकट नहीं है। मुझे पीने के लिए स्वच्छ जल मिल ही जाएगा। इसलिए अब तुम्हारा जूठा पीने से मुझे दोष लगेगा। यह कहकर उषस्ति ने अपनी पत्नी को भी थोड़े-से उड़द दिए। आटिकी ने कुछ दाने खाकर अपनी भूख मिटाई और बचे हुए उड़द वस्त्र में बांधकर रख लिए। अगले दिन उषस्ति ने पत्नी से कहा, मुझे पता लगा है कि इस राय का राजा यज्ञ कर रहा है और उसे ऋत्विज की जरूरत है। यदि राजा के पास जाऊं, तो शायद मुझे यज्ञ में कोई कार्य अवश्य मिल जाए, जिससे हमें थोड़ा धन प्राप्त होगा और हमारी स्थिति सुधर जाएगी। आटिकी ने तुरंत पिछले दिन के बचे हुए उड़द उषस्ति को दिए। उषस्ति उड़द खाकर राजा के यज्ञ में चला गया। वहां उपस्थित अन्य ब्राह्मणों को यज्ञ-कर्म में कुछ भूल करते देखा, तो उषस्ति ने टोकते हुए कहा, 'क्या आपको पता है, आप जिन देवता की स्तुति कर रहे हैं, वे कौन हैं? यदि अधिष्ठाता को जाने बिना स्तुति करेंगे, तो यज्ञ निष्फल हो जाएगा। यह सुनकर सभी ऋत्विज उषस्ति की प्रशंसा करने लगे।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के सेट पर पहुंची दिल्ली पुलिस, सोढ़ी मामले से जुड़े पूछे सवाल जवाब

कॉमेडी टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम गुरुचरण सिंह कथित तौर पर लंबे वक्त से लापता हैं। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस को अभिनेता की कोई खोज खबर नहीं मिली है। अभिनेता तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए मशहूर हैं। करीब 20 दिनों से 'सोढ़ी' का किरदार निभाने वाले गुरुचरण गायब हैं। साथ ही उनके मिलने की दुआ मांग रहे हैं। अभिनेता 22 अप्रैल से लापता हैं। ऐसे में हाल ही में दिल्ली पुलिस ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा के सेट का दौरा किया।

कॉमेडी टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम गुरुचरण सिंह कथित तौर पर लंबे वक्त से लापता हैं। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस को अभिनेता की कोई खोज खबर नहीं मिली है। अभिनेता तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए मशहूर हैं। करीब 20 दिनों से 'सोढ़ी' का किरदार निभाने वाले गुरुचरण गायब हैं। साथ ही उनके मिलने की दुआ मांग रहे हैं। अभिनेता 22 अप्रैल से लापता हैं। ऐसे में हाल ही में दिल्ली पुलिस ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा के सेट का दौरा किया।

22 अप्रैल से लापता हैं सोढ़ी

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोढ़ी का किरदार निभाने वाले गुरुचरण सिंह 22 अप्रैल, 2024 को लापता हो गए थे। वह मुंबई के लिए जाने के लिए दिल्ली स्थित अपने आवास से निकले थे, हालांकि, वह हवाई अड्डे पर नहीं पहुंचे और न ही घर लौटे। पुलिस को 27 अप्रैल को सीसीटीवी फुटेज से पता चला था कि अभिनेता 22 अप्रैल की दिल्ली के पालम इलाके में थे, जिसके बाद वह लापता हो गए।

बच्चों की अकेले परवरिश कर रही हैं ये हसीनाएं, लिस्ट में साक्षी तंवर से लेकर श्वेता तिवारी शामिल

टीवी एक्ट्रेस लुक्स और लोकप्रियता के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्रियों से बिल्कुल भी कम नहीं हैं। अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। ये हसीनाएं केवल एक अच्छी एक्ट्रेस ही नहीं हैं, बल्कि एक अच्छी मां भी हैं। कई टीवी अभिनेत्रियां हैं, जो अकेले ही अपने बच्चों की परवरिश कर रही हैं। इंडस्ट्री में कुछ अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो अपने करियर पर ध्यान देने के साथ-साथ अकेले ही अपने बच्चों की परवरिश भी कर रही हैं। आज मदर्स डे के मौके पर हम छोटे पर्दे की कुछ ऐसी ही अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जो काम के साथ-साथ अपने बच्चों को भी अकेले पाल रही हैं। तो चलिए जानते हैं इन अभिनेत्रियों के बारे में...

चारू असोपा टीवी अभिनेत्री चारू असोपा ने सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन से शादी की थी। मगर दोनों का रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चला। राजीव और चारू की एक बेटी है। 2023 में राजीव सेन से अलग होने के बाद अभिनेत्री अकेले ही अपनी बेटी का पालन पोषण कर रही हैं। सोशल मीडिया पर वह अपनी बेटी के साथ खूब तस्वीरें साझा करती हैं।

साक्षी तंवर टीवी और फिल्म अभिनेत्री साक्षी तंवर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। साक्षी तंवर सिंगल है। उम्र के इस पड़ाव पर भी उन्होंने शादी नहीं की है। मगर उन्होंने 2018 में एक बेटी को गोद लिया था। वह अकेले ही अपनी बच्ची की परवरिश कर रही हैं।

दलजीत कौर अभिनेत्री दलजीत कौर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। दलजीत की पहली शादी टूट गई थी। पहली शादी से उनका एक बेटा भी है। तलाक लेने के बाद वह अकेले ही अपने बच्चे की परवरिश कर रही हैं। उन्होंने बीते साल 2023 में दूसरी शादी कर ली है। उनका बेटा उनके साथ ही रहता है।

श्वेता तिवारी श्वेता तिवारी ने अपनी दमदार अदाकारी और हॉटनेस के दम पर अलग पहचान बनाई है। श्वेता ने दो शादियां की थीं, लेकिन दोनों ही कामयाब नहीं हो पाईं। श्वेता ने पहली शादी राजा चौधरी से की थी, जिनसे उनकी बेटी पलक तिवारी हुईं। उन्होंने दूसरी शादी अभिनव कोहली के साथ की थी, जिनसे उनका एक बेटा रेयांश हुआ। अभिनेत्री की ये दोनों शादी घरेलू हिंसा के कारण टूट गईं। इसके बाद श्वेता अकेले ही अपने दोनों बच्चों की परवरिश कर रही हैं।

सिंघम अगेन के लिए फूंक-फूंक कर कदम रख रहे अजय देवगन, रेड 2 की रिलीज डेट में किया बदलाव

अजय देवगन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे व्यस्त कलाकारों में से एक हैं। वे इन दिनों कई फिल्मों में काम कर रहे हैं। सिंघम अगेन और औरों में कहां दम था के अलावा इस लिस्ट में रेड 2 का नाम भी शामिल है। अब इस अजय की इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

रेड 2 की रिलीज डेट में बदलाव राज कुमार गुप्ता के निर्देशन में बन रही इस क्राइम ड्रामा फिल्म में अभिनेता एक बार फिर आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इसका निर्माण पैनोरमा स्टूडियो और टी-सीरीज की ओर से किया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है। पहले यह माना जा रहा था कि इसे 15 नवंबर 2024 को रिलीज किया जाएगा, लेकिन हालिया मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव हो सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि सिंघम 3 की वजह से यह फिल्म या तो तय समय से पहले या बाद में रिलीज की जाएगी।

सिंघम अगेन है वजह रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी सिंघम अगेन इस साल की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। इसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने के वाली थी, लेकिन नवीनतम रिपोर्ट्स की मानें तो अब इस फिल्म को दिवाली पर रिलीज करने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बार सिंघम अगेन की रिलीज की तारीख का आधिकारिक रूप से एलान हो जाने के बाद रेड 2 के मेकर्स अपनी फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा करेंगे।

रेड 2 की एडिटिंग शुरू बताया जा रहा है कि राज कुमार गुप्ता फिलहाल रेड 2 की एडिटिंग कर रहे हैं और जुलाई के अंत तक इसका फाइनल प्रिंट तैयार हो जाने की संभावना है। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म सिंघम अगेन से पहले रिलीज हो सकती है। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

शेखर सुमन ने तवायफों और यौनकर्मियों के बीच का बताया अंतर

बोले- उनकी वजह से समाज बचा रहता है

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। भंसाली की हर एक फिल्म चर्चा में रहती हैं। हीरामंडी- द डायमंड बाजार से उन्होंने वेब सीरीज में डेब्यू किया है। अब हाल ही में, अभिनेता शेखर सुमन ने तवायफों और यौनकर्मियों के बीच अंतर समझाया है। एक साक्षात्कार में, शेखर सुमन ने कहा कि वेश्याओं को अक्सर गलत नजरिए से देखा जाता है और उन्हें गलत तरीके से यौनकर्मी करार दिया जाता है। अभिनेता ने दोनों वर्गों को अलग नजरिया देने का आग्रह किया है। शेखर ने कहा, यह समाज ही है, जिसने उन्हें इस तरह बनाया है। शो में कई बार यह बताया गया है कि कोई भी महिला अपनी मर्जी से वेश्या नहीं बनती। हालात अक्सर महिला को यौनकर्मी बनने पर मजबूर कर देते हैं। इन सबके बावजूद, समाज में उनका योगदान बहुत बड़ा है... जहां से हम आते हैं, जिस तरह की भूख जो मर्दों में है, उसका जो चैनल होता है, उसकी वजह से समाज बचा रहता है। अपनी यौन भूख को यौनकर्मियों के माध्यम से मिटाते हैं। शेखर सुमन ने आगे कहा कि पुराने दिनों में, लोगों को हीरामंडी भेजा जाता था, जो एक फिनिशिंग स्कूल की तरह था। इसमें लोग प्राचीन वस्तुएं, शिष्टाचार, प्रेम-प्रसंग की कला, कविता, संगीत और नृत्य सीखते थे। हीरामंडी का योगदान बहुत बड़ा था, यह एक संस्था थी, लेकिन हमने हमेशा तवायफों को हमेशा वेश्या की तरह देखा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। बता दें कि इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल, अदिति राव हैदरी, ताहा शाह बदुशाह, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन जैसे कई सितारे अहम भूमिका में नजर आए हैं।

भैया जी के लिए इन कलाकारों से मनोज बाजपेयी ने ली थी प्रेरणा, खुद को मानते हैं देसी अभिनेता

अभिनेता मनोज बाजपेयी बॉलीवुड में आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म भैया जी के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने फिल्म में अपने काम को लेकर कई दिलचस्प खुलासे है और बताया है कि फिल्म में अपने किरदार के लिए किस्से प्रेरणा ली है। अभिनेता मनोज बाजपेयी का कहना है कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म भैया जी में एक बड़े नायक की भूमिका निभाने के लिए मेगा स्टार अमिताभ बचन के साथ-साथ शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना से प्रेरणा ली थी। मनोज ने कहा, मैं व्यावसायिक फिल्में देखते हुए बड़ा हुआ हूं और उस समय के सभी बड़े सितारे, वे सभी मेरी प्रेरणा थे, चाहे वह शत्रु जी (शत्रुघ्न सिन्हा), विनोद खन्ना जी, अमित जी (अमिताभ बचन) या जीतेंद्र साहब हो। मुझे पता था कि स्क्रीन पर खुद को आकर्षक दिखाने के लिए मुझे कुछ चीजें करनी होंगी। ताकि हर कोई भैया जी जैसा व्यक्तित्व बनना चाहे। दर्शकों को उनकी ओर देखना चाहिए। यही कारण है कि भैया जी का किरदार निभाने में मुझे वे सभी तरीके मिले। अभिनेता ने कहा, मैं एक देसी अभिनेता हूंज मेरी इछा है कि हमारी संस्कृति, गांव और हमारी मिट्टी की कहानी सिनेमा में आनी चाहिए। हमारे नायकों को हमारे जैसा दिखना चाहिए, किसी पश्चिमी देश से नहीं। हमें अछी कहानियों वाली अछी फिल्में बनाने की जरूरत है और इसे हमारी संस्कृति में दिखाने की जरूरत है। फिल्म को लेकर अपना अनुभव साझा करते हुए अभिनेता ने कहा, यह फिल्म शूट करना बहुत कठिन रहा है क्योंकि यादातर एक्शन सीन मेरे द्वारा किए गए हैं। फेफ्सी विजयन तमिल उद्योग के एक ऐसे दिग्गज हैं, जो एक कठिन टास्कमास्टर थे। वह चाहते थे कि सभी एक्शन मनोज बाजपेयी करें और वह बिल्कुल भी समझौता करने के लिए तैयार नहीं थे... मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मुझे कड़ी मेहनत की क्योंकि स्क्रीन पर सब कुछ बहुत अद्भुत लग रहा है।

जमकर मना हीरामंडी की सफलता का जश्न, भंसाली समेत सितारों के चेहरे पर दिखी खुशी

नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज हीरामंडी इन दिनों धमाल मचा रही है। शो को आम दर्शकों के साथ फिल्मी सितारे भी खूब पसंद कर रहे हैं। हाल ही में इस वेब सीरीज की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान निर्देशक संजय लीला भंसाली समेत शो के सभी सितारे नजर आए।इवेंट में पहुंचीं अदिति राव हैदरी लाल रंग के आउटफिट में बला की खूबसूरत लग रही थीं। हीरामंडी की सफलता की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। इस शो में दर्शकों को उनकी अदाकारी काफी ज्यादा पसंद आई है। कार्यक्रम में पहुंचे फरदीन खान देसी लुक में हैंडसम नजर आ रहे थे। इस शो में उन्होंने अपने किरदार से लोगों के दिलों पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। शो में उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हो रही है।

दीपक तिजोरी का सीबीएफसी पर फूटा गुस्सा, परेशान करने का लगाया आरोप, स्क्रीनिंग में हुई थी मुश्किल

दीपक तिजोरी की थ्रिलर फिल्म टिप्सी कल सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। तिजोरी ने फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान आई परेशानियों के बारे में बात करते हुए सीबीएफसी पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने जमकर अपनी भड़ास निकाली है। एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान कैसे उन्हें परेशान किया गया।

सर्टिफिकेट को लेकर किया परेशान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपक तिजोरी ने बातचीत के दौरान बताया कि फिल्म रिलीज होने के 20 दिन पहले ही उन्होंने रीजनल ऑफिसर को संदेश भेजा था। अभिनेता चाहते थे कि सही समय पर उनकी फिल्म की स्क्रीनिंग हो। दीपक के अनुसार फिल्म में किसी भी तरह का एडल्ट और किसिंग सीन नहीं है। वह चाहते थे कि उन्हें 'यूए' सर्टिफिकेट मिले लेकिन उन्हें पहले तो 'यू' सर्टिफिकेट देने के लिए कहा गया। स्क्रीनिंग के बाद में सीबीएफसी ने 'ए' सर्टिफिकेट देने के लिए कह दिया।

डायलॉग हटाने को कहा तिजोरी आगे बताते हैं कि सीबीएफसी ने उन्हें कुछ डायलॉग भी हटाने के लिए कहा। उन्हें एडल्ट शब्दों से दिक्कत थी। फिल्म के रेव पार्टी वाले दृश्यों में भी कटौती की गई। बता दें कि रेव पार्टी वाले दृश्य में 'चिलम' पीने का दृश्य ता दीपक के मुताबिक वह महादेव से जुड़ा हुआ है और बैकग्राउंड में 'भोले शिव शंकर' गीत भी चल रहा है। इसलिए, इस गाने को 50 प्रतिशत तक हटाने की बात उनसे कही गई।

सर्टिफिकेट देने में की देरी दीपक के अनुसार उन्होंने फिल्म का एडिटेड वर्जन सीबीएफसी के पोर्टल पर डाला, लेकिन उन्हें शाम तक सर्टिफिकेट नहीं मिला। जब उन्होंने अपने आदमी को अंधेरी स्थित ऑफिस भेजा तो सर्टिफिकेट को उनके मेल पर भेज दिया गया। अभिनेता ने कहा कि इसकी वजह से मुझे आठ से दस घंटे की देरी हुई, जिससे मेरे सुबह के शो प्रभावित हुए। दीपक तिजोरी ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोग निर्माताओं के साथ ऐसा ही व्यवहार करते हैं। पहले तो रिलीज से पहले यादा समय नहीं देते फिर परेशान करते हैं, जिसे फिल्म निर्माता मना भी नहीं कर सकते।

कैंसर का पता चलने के बाद दोस्तों और करीबियों ने छोड़ दिया साथ, छलका मल्लिका जान का दर्द

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को रिलीज हुए कई दिन बीत चुके हैं। इस पीरियड ड्रामा सीरीज में कई अभिनेत्रियों ने काम किया हैं। आए दिन कोई न कोई अभिनेत्री शो से जुड़े अपने अनुभवों को अलग-अलग मंच पर साझा कर रही हैं। इसी सिलसिले में अब मनीषा कोइराला ने कैंसर से जुड़े अपने बुरे अनुभवों का खुलासा किया है और बताया कि बीमारी का पता लगने के बाद अभिनेत्री के करीबियों ने उनका साथ छोड़ दिया था।एक साक्षात्कार में, अभिनेत्री ने कहा कि जिन लोगों को वह अपना करीबी दोस्त मानती थीं, उन्होंने बीमार पड़ने पर उनसे मुंह मोड़ लिया। उस कठिन समय में केवल उनका परिवार ही उनके साथ खड़ा रहा। मनीषा ने बताया कि यहां तक कि जब वह कैंसर से जूझ रही थीं, तब उनके वह दोस्त उनसे मिलने तक नहीं आए, जिसे वह अपने करीबियों में गिनती थीं। अभिनेत्री ने बताया कि इस बीमारी से जूझने के बाद उन्होंने थेरेपी ली और इससे उन्हें काफी मदद मिली।

मनीषा ने आगे इंटरव्यू में पूछा गया कि लोगों के बदलते व्यवहार का उन पर क्या असर पड़ा। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, यह एक यात्रा रही है। यह एक सीखने वाला अनुभव भी रहा है। मुझे सच में विश्वास हो गया था कि मेरा कई दोस्त हैं। मैंने सोचा कि एक साथ पार्टी करना, एक साथ यात्रा करना, एक साथ मौज-मस्ती करने के बाद लोग मेरे दर्द में मेरे साथ बैठेंगे। ऐसा नहीं था। लोग अपना दर्द तो दूर, किसी का दर्द लेकर भी नहीं बैठ पाते।अभिनेत्री ने आगे कहा, हम हमेशा दर्द महसूस न करने के बहाने ढूंढने की कोशिश करते हैं। हम दर्द से बचना चाहते हैं। यह मानव स्वभाव है। मैंने खुद को बहुत अकेला पाया और मुझे एहसास हुआ कि केवल मेरा परिवार ही उस बुरे समय में मेरे आसपास था। बात करें हीरामंडी की तो कि इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल, अदिति राव हैदरी, ताहा शाह बदुशाह, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन जैसे कई सितारे अहम भूमिका में नजर आए हैं।

मप्र के कटनी में बुजुर्ग ने पीलिया एक परिवार को पानी

थोड़ी देर बाद परिवार के 3 सदसाय मूर्छित

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के रेलवे स्टेशन पर पहुंची ट्रेन में सवार एक ही परिवार के 4 सदस्य को नशीली पदार्थ खिलाने के मामला सामने आया। कटनी रेलवे स्टेशन पहुंचते ही परिवार के 3 सदसाय मूर्छित हो रेलवे स्टेशन पर गिर गए मौके पर मौजूद आरपीएफ के पुलिस कर्मियों एन सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है जहा सभी का इलाज जारी है। रेलवे स्टेशन पर मूर्छित हुए परिवार के परिजनों को सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पहुंचे मूर्छित हुए परिवार के बड़े भाई अमित सिंह ने बताया की उनका छोटा भाई सुनील सिंह अपनी पत्नी पूजा ठाकुर के साथ जबलपुर से मैहर गए हुए थे और वह वहा से उनके घर कटनी में रुकने के लिए मैहर से कटनी के लिए सवार हुए थे लेकिन जब उन्हें सूचना मिली की उनका भाई और उनकी बहू सहित बच्चे अचानक कटनी स्टेशन पर बेहोश हो गए है तो वह सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है वह तुरंत ही अस्पताल पहुंचे जहा उनके छोटे भाई की छोटी बेटी वंशिका होश में थी उसने बताया की उनके पापा और मम्मी और छोटे भाई को एक बुजुर्ग ने पानी पिलाया था और जैसे ही सभी कटनी में उतरे वह बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद आरएफपी पुलिस ने परिवार के सभी सदस्यों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे और सभी का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। वही आरपीएफ पुलिस नशीली पदार्थ खिलाने वाले की तलाश में जुट गई है।

दो माह बाद शाम से थमेगा चुनावी शोर, 13 को होगा मतदान

19 लाख मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, दो माह से चल रहा चुनावी प्रचार का शोर शनिवार शाम से थम जाएगा। इसके बाद प्रत्याशी घर-घर संपर्क साधकर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास करेंगे। अब देखना है ऊंट किस करवट बैठता है। देवास शाजापुर लोकसभा में इस बार कुल 19 लाख 40 हजार 472 मतदाता शामिल हैं। कुल मतदाताओं में 9 लाख 94 हजार 73 पुरुष मतदाता, 9 लाख 46 हजार 376 महिला मतदाता एवं 23 अन्य मतदाता शामिल हैं। कुल मतदाताओं में 951 जेंडर रेशो है तथा 63.58 ईपी रेशो है। आठों विधानसभा क्षेत्रों में 2309 मतदान केंद्र हैं। इसमें लोकसभा सीट की विधानसभा आष्टा (157) में 335 मतदान केंद्र हैं। इसी तरह आगर (166) में 304, शाजापुर (167) में 308, शुजालपुर (168) में 262, कालापीपल (169) में 265, सोनकच्छ (170) में 290, देवास (171) में 290 और हाटपीपल्या (172) में 252 मतदान केंद्र हैं। इन सभी को मिलाकर पूरे लोकसभा क्षेत्र में कुल 2306 मतदान केंद्र हैं। निर्वाचन विभाग द्वारा सभी मतदान केंद्रो पर तैयारियां की जा रही हैं।

दो माह तक सक्रिय रहे दावेदार: इस बार लोकसभा निर्वाचन को लेकर दोनो ही प्रमुख दलों ने अपने प्रत्याशियों को चुनाव मेदान मे उतार दिया था। भाजपा ने जहां 2 मार्च को महेंद्रसिंह सोलंकी के नाम की घोषणा कर दी थी। तो 12 मार्च को कांग्रेस ने भी राजेंद्र मालवीय के नाम पर मुहर लगा दी थी। जिससे यह पता चलता है कि दोनो ही प्रमुख दलों को अपने-अपने प्रचार के लिए दो माह से अधिक का समय मिला। भाजपा प्रत्याशी तो कई बार अपने समर्थकों के साथ नगर में जनसंपर्क कर चुके हैं और उनके साथ लाव-लश्कर भी नजर आया। लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी न तो नगर में नजर आए और न ही उनका कहीं जनसंपर्क दिखाई दिया। यह तो 4 जून को ही पता चलेगा कि इसके पीछे कारण क्या था। तो भाजपा प्रत्याशी को मतदाताओं का कितना आशीर्वाद मिला।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

कटनी के गाटर घाट नदी में मिला नवजात का शव

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र गाटर घाट नदी में नवजात के शव मिलने की सूचना आग की तरह फैल गई और इलाके के लोगो का गाटर घाट में हुजूम सा लग गया..नवजात की शव मिलने की सूचना पर मौके पर कोतवाली पुलिस पहुंच गई और पूरे मामले की जांच में जुट गई।

कटनी जिले के मेन चौराहे और कटनी नदी के लगे गटर घाट में नवजात के शव मिलने का मामला यह कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले एक माह पहले भी नवजात के शव मिलने की घटना घटित हो चुकी है वही कोतवाली थाने के पुलिस अधिकारियों का यह कहना है की इस तरह की यह दुसरी घटना है जिसकी जांच की जा रही है और फिर इस तरह की दोबारा इस घटना की पूर्णावरती हुई है इन दोनों मामलों की की जांच की जा रही है और घट घट में मिले वर्तमान में नवजात शिशु के शो का पंचनामा कार्रवाई करते हुए कार्यवाही की जा रही है।

खुली डीपी की चपेट में आई गाय, करंट लगने से हुई मौत

रहवासियों का आरोप खुली डीपी बदलने की जा रही पैसे की मांग

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, नगर की सदर कालोनी में खुली डीपी ने एक मवेशी की जान ले ली। जबकि वहां के रहवासी कई बार इस डीपी को लेकर शिकायत कर चुके थे। वहीं रहवासियों का यह भी आरोप है कि डीपी बदलने के लिए अधिकारी पैसे की मांग करते हैं। घटना शुक्रवार शाम की है। जब नगर में बारिश हो रही थी। उसी समय करंट की चपेट में आने से गाय की मौत हो गई। इसे लेकर वहां के रहवासियों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि आज तो एक गाय इसकी चपेट में आई है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो किसी भी दिन यहां जनहानि हो सकती है। लेकिन अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। रहवासियों के अनुसार वे कई बार आवेदन दे चुके हैं और सीएम हेल्पलाईन में भी इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन जब भी शिकायत होती है एक कर्मचारी आता है और काम चलाउ सुधार कर चले जाते है। जिसके चलते वही स्थिति बनी रहती है। उन्होंने बताया कि आए दिन इस खुली डीपी में फॉल्ट होता रहता है जिससे चिंगारियां भी निकलती रहती है, लेकिन इसे बदलने की जहमत आज तक किसी ने नही उठाई। हर बार मामूली सुधार कर ये लोग चले जाते हैं।

मेंटेनेंस की भी खुली पोल, मामूली बारिश में ही देर रात तक परेशान हुए शहरवासी

बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली हमेशा लोगों के लिए परेशानी साबित हुई है। इनके द्वारा बारिश को लेकर हर साल मेंटेनेंस किया जाता है, लेकिन मेंटैनेंस के बाद भी मामूली बारिश या हवा से ही शहर की बिजली घंटो गुल रहती है। बीती रात भी जब कुछ देर के लिए हुई बारिश में ही शहर के कई क्षेत्रों में ब्लेक आउट जैसे हालात बन गए और लोगों को बिना बिजली के उमस व गर्मी से परेशान होना पड़ा। जबकि कुछ दिन पहले ही बिजली कंपनी द्वारा मेंटेनेंस कार्य किया गया था जिसके नाम पर घंटों लोगों को गर्मी से परेशान होना पड़ा था। उम्मीद थी कि बारिश में बिजली गुल होने की समस्या से निजात मिल जाएगी, लेकिन फिर भी हालात जस की तस है।

सतना से आए पुलिसकर्मियों ने गार्डन में मचाया उत्पात

संचालक का आरोप पुलिसकर्मियों के रूम से निकली शराब की बोतलें

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, 13 मई को लोकसभा निर्वाचन के तहत मतदान होना है। इसके लिए बाहरी पुलिस को भी यहां निष्पक्ष और स्वतंत्र मतदान के लिए तैनात किया गया है। जिसमें सतना का पुलिस बल भी मौजूद है। जिन्हें नगर के निजी गार्डन में ठहराया गया। जहां के संचालक ने इन पुलिसकर्मियों पर शराब खोरी और बदसलूकी करने का आरोप लगाया है। संचालक मो. फिरोज ने बताया कि गार्डन में सतना के फोर्स को ठहराया गया है। जिनके कमरे से शराब की बोतलें निकली है। इसके अलावा इन लोगों ने खाना भी बरबाद किया है। उन्होंने बताया कि यहां का जो स्टॉफ है उसके साथ इन लोगों ने बदतमीजी की। जब इन लोगों ने मुझे यह बात बताई तो मैं यहां पहुंचा और बात करने की कोशिश की तो इन लोगों ने मेरे साथ भी बदतमीजी की। इसकी सूचना संचालक ने कलेक्टर और अन्य अधिकारियों को दी ओर ये लोग भी जब यहां पहुंचे तो बताया जाता है कि अधिकारियों से भी इन लोगों ने ठीक से बात नहीं की।

किसी और को ठहरा दें, इन्हें यहां न रखे

संचालक ने बताया कि हमने इस बात की जानकारी एसपी साहब को भी दी और निवेदन किया है कि आप किसी भी फोर्स को यहां ठहरा दें, लेकिन इन लोगों को यहां न रखा जाए। इस पर एसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इन कर्मचारियों को वहां से हटा दिया है।

इनका कहना है...

विवाद की जानकारी मिली थी। हमने उस गार्डन में जो लोग ठहरे हुए थे उन्हें वहां से हटा दिया गया है। **यशपालसिंह राजपूत, एसपी-शाजापुर**

बाहरी लोग मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व क्षेत्र छोड़ दें

कलेक्टर ने धारा 144 के तहत जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम अनुसार ससंदीय निर्वाचन क्षेत्र 21-देवास (अ.जा.) शाजापुर जिले में 13 मई को मतदान होना है। जिसके 48 घंटे पूर्व बाहरी लोगों को विधानसभा क्षेत्र से बाहर जाने के आदेश दिए हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना द्वारा निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-144 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए शाजापुर जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में आने वाली तीनों विधानसभा क्षेत्रों क्रमश: क्रमांक 167-शाजापुर, 168-शुजालपुर एवं 169-कालापीपल की सीमा क्षेत्र अन्तर्गत स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 21-देवास (अ.जा) के अभ्यर्थियों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं को छोड़कर निर्वाचन प्रचार की कार्यवाही में संलग्न ऐसे सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं होटल, लॉज, धर्मशालाओं में ठहरे बाहरी व्यक्तियों को, जो उस विधानसभा क्षेत्र में मतदाता नहीं है, उन्हें निर्वाचन समाप्ति के 48 घण्टे पूर्व अर्थात 11 मई की शाम 6 बजे से मतदान समाप्ति तक सम्बन्धित विधानसभा क्षेत्र की सीमा छोड़ने के लिए आदेशित किया गया है। इसके अतिरिक्त आदर्श आचरण संहिता की अवधि के दौरान 11 मई एवं 12 मई की रात्रि 10 बजे से शाम 6 बजे तक के मध्य प्रचार अभियान जिसमें घर-घर जाकर प्रचार करना, एस.एम.एस., व्हाट्सप कॉल, लाउड स्पीकरों आदि के माध्यम से भी प्रचार संबंधी क्रियाकलाप प्रतिबंधित रहेगें। उपर्युक्त प्रतिबन्ध भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत, चुनाव कार्य में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं विधि एवं व्यवस्था सम्बन्धी ड्यूटी में संलग्न पुलिस कर्मियों पर लागू नहीं होगा। इस आदेश का उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता 1860 एवं लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत दण्डनीय अपराध होगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋजु बाफना ने दिया निर्देशन

मतदान कर्मियों को शाजापुर आने के लिए नि:शुल्क वाहन व्यवस्था

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिए 12 मई को मतदान कर्मियों को शाजापुर जिला मुख्यालय स्थित सामग्री वितरण केन्द्र पर लाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देशन में नि:शुल्क बसों की व्यवस्था की गई है। परिवहन व्यवस्था नोडल अधिकारी डॉ. विवेक दुबे ने बताया कि 12 मई को मतदान कर्मियों को शाजापुर आने के लिए की व्यवस्था की गई है, जिसमें खरदौनकलां से 02 बसे रहेगी, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रात: 4 बजे तक रहेगा। इसी तरह कालापीपल (व्हाया सलसलाई, गुलाना) से आने के लिए 05 बसे रहेगी, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रात: 4 बजे, अरनियाँकलाँ (व्हाया अ. बड़ोदिया) से 02 बसों की व्यवस्था की गई है, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रात: 4.30 बजे है। शुजालपुर (व्हाया सांरगपुर) से 06 बसो का इंतजाम किया गया है, अंतिम बस के प्रस्थान समय प्रातरू 4.30 बजे रहेगा। अकोदिया (व्हाया बोलाई) से 03 बसे निकलेगी, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रात: 4.30 बजे, पोलायकला (व्हाया सुन्दरसी) से 02 बसे आयेगी, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रातरू 4.30 बजे, गौलाना से 02 बसे निकलेगी, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रातरू 5.00 बजे, मोहन बड़ोदिया से 04 बसे आयेगी, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रात: 5 बजे, मक्सी में 02 बसों का इंतजाम किया गया है, अंतिम बस प्रस्थान समय प्रात: 5 बजे तथा बेरछा में 02 बसों अंतिम बस प्रस्थान समय प्रातरू 5.00 बजे तक रहेगा। मतदान दलों में लगाये गये कर्मचारी निर्धारित समय पर उक्त सुविधा का लाभ ले सकते हैं। परिवहन की सुलभ व्यवस्था को सुनिश्चित करते हुए मतदान कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय एवं स्थान से वाहनों में बैठें।

जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने सहारनपुर क्लब के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

क्लब की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित कराने पर चर्चा की

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सहारनपुर क्लब के पदाधिकारियों के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्लब की व्यवस्थाओं को सुचारू एवं बेहतर ढंग से संचालित करने के संबंध में चर्चा की गई। अध्यक्ष के तौर पर जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया जो जिलाधिकारी के दिशा निर्देशों के क्रम में सहयोग प्रदान करने के साथ निरंतर समयांतराल पर भ्रमण कर व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार सहित सहारनपुर क्लब से डॉक्टर मोहन सिंह, पंकज बंसल, श्री जोधबीर सिंह एवं कमलजीत सिंह उपस्थित रहे।

सच्चिदानंद साधु: हमें डा. भीम राव अम्बेडकर के जन्मदिवस को विशेष त्यौहार के रुप में मनाना चाहिए क्योंकि उन्होने सभी वर्गो के लिए काम किया और देश की एकता, अंखडता व समरसता के लिए विशेष कार्य किया

देवी मेला पंडाल में अम्बेडकर शोध एवं मानव विकास संस्थान के तत्वाधान में राष्ट्रीय अम्बेडकर समता सम्मेलन का हुआ आयोजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, श्री मां त्रिपुर बाला सुन्दरी देवी मेला पंडाल में अम्बेडकर शोध एवं मानव विकास संस्थान के तत्वाधान में राष्ट्रीय अम्बेडकर समता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन संत श्री सतपाल दास द्वारा किया गया। पूजा वंदना डा. अजय बौद्धाचार्य ,उग्रसैन बौद्धाचार्य, सुरेन्द्र कुमार बौद्धाचार्य द्वारा किया गया। दीप प्रज्जवलित जयराम गौतम प्रधान वरिष्ठ समाज सेवी ने किया। सुंगध-पूजा राजकुमार जाटव, महेन्द्र प्रधान, बाबूराम कनौलिया द्वारा किया गया। ध्वजारोहण सतीश गौतम, राजेश्वर दयाल, पिन्टू जेईने किया। मुख्य अतिथि राघव दास अग्रवाल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो भी भारत में विदेशी आक्रमणकारी आये सभी ने भारत की गण व्यवस्था व प्रजातांत्रिक प्रणाली के वीसी रहे। लेकिन डा0भीम राव अम्बेडकर ने देश की आजादी के लिए देश का संविधान लिखकर भारत की गण व्यवस्था व प्रजातांत्रिक प्रणाली

को दृढ़ किया, जिससे भारत में अलग-अलग धर्म जातियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया गया। जिससे देश की एकता व अखण्ड़ता मजबूत हुई। उन्होंने सभी धर्मो व जातियों के लिए समानता के अधिकार की व्यवस्था की। अति वशिष्ठ अतिथि सच्चिदानंद साधु ने कहा कि हमें ड़ा0 भीम राव अम्बेडकर के जन्मदिवस को विशेष त्यौहार के रुप में मनाना चाहिए। क्योंकि उन्होने सभी वर्गो के लिए काम किया और देश की एकता, अंखडता व समरसता के लिए विशेष कार्य किया। संगीत मंडली में उग्रसैन बौद्धाचार्य, रेनू बौद्ध,, आनन्द, शिवम, कस्तूरी, तनु, प्रमोद, रजनीश ने बाबा साहेब के जीवन से प्रेरित गीत सुनाकर सबका मन मोह लिया। अन्य वक्ताओं में रजनीश कुमार एडवोकेट, राजकुमार जाटव पूर्व सभासद, राजपाल कर्णवाल, ओमवीर सिंह, प्रविन्द्र धारिया, राजकुमार गौतम, महेन्द्र प्रधान, गीता बौद्ध ने भी अपने विचार रखे कार्यक्रम का संचालन हिमांशु गौतम ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकरण बौद्धाचार्य ने की। कार्यक्रम संयोजक शिवकुमार ने सबका आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सन्दीप प्रधान कोटा, मोनू प्रधान घलौली, नरेन्द्र प्रधान साखनकंला, नवबहार सिहं प्रधान, मनोज कुमार, सुजीत कुमार, आशीष कुमार, रमेश चंद, संन्दीप, सत्यपाल, देवेन्द्र, अमर सिहं, रामकुमार, सुदेश, विनोद कुमार, यशपाल, शहजाद कासमी, पीयूष गौतम, शिबली, इमरान अंसारी आदि उपस्थित रहे। संचालन हिमांशु गौतम ने किया अध्यक्षता डा. रामकरण बुद्धिचार्या की और शिव कुमार कार्यक्रम संयोजक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

देवबंद के मेला पंडाल में आयोजित दंगल का उद्घघाटन पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग एवं मेला चेयरमैन अंकित राणा ने फीता काटकर किया

दंगल में उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली से आए पहलवानों ने भाग लिया, पहलवानों को प्रथम नकद इनाम की राशि 21 हजार दी गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद के मेला पंडाल में आयोजित दंगल का उद्घघाटन नगर पालिका अध्यक्ष विपिन गर्ग एवं मेला चेयरमैन अंकित राणा ने फीता काटकर किया ।दंगल में उतराखंड, हरियाणा, दिल्ली से आए पहलवानों ने भाग लिया। दंगल संयोजक सरफराज ने बताया कि दंगल में पहलवानों को प्रथम नकद इनाम की राशि 21 हजार दी गई। दंगल में दिल्ली के पहलवान अंकित व जलालाबाद के पहलवान आसिफ के बीच कुश्ती का मुकाबला हुआ। जिसमें आसिफ ने विजय प्राप्त कर

21हजार रुपए नकद इनाम जीता। दंगल में गूंगा पहलवान, अजहर आदि ने भी अपने जौहर दिखाए। दंगल में हाजी शहजाद, जावेद खान, रिजवान गौड, वसीम मलिक, तस्सावर गौड, जावेद फुलासी आदि मौजूद रहे। दंगल में हो रही कुश्ती का रेफरी कछुवा पहलवान, बबलू को बनाया गया।

हरिद्वार में आयोजित कराटे चैंपियनशिप में देवबंद के खिलाडियों ने 15 स्वर्ण समेत 40 पदक जीतकर कर किया नाम रोशन

चैंपियनशिप में कोच बंसत उपाध्याय को द्रोण रत्न एवार्ड और निशु प्रजापति को बेस्ट प्लेयर एवार्ड से नवाजा गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। देवबंद, उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित छठी कराटे चैंपियनशिप में देवबंद क्षेत्र के खिलाडियों ने 15 स्वर्ण समेत 40 पदक जीतकर देवबंद का ही नहीं पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। चैंपियनशिप में देश भर के 11 राज्यों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। हरिद्वार में आयोजित चैंपियनशिप में देवबंद की बंसत एकेडमी से निशु प्रजापति, हरमन सिंह, वर्णिका, खुशी, वासू जयसवाल, आयुष कुमार, रोहन, अनिकेत, श्रेष्ठ और सुमित सिंह गौतम ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। जबकि

सौरभ, लक्ष्मी सैनी, गौरांशी ,अनमोल व भारती ने रजत पदक पर कब्जा जमाया वहीं आकांक्षा तनु प्रजापत, आदित्य और अर्चना ने भी अपनी कांस्य पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में कोच बंसत उपाध्याय को द्रोण रत्न एवार्ड और निशु प्रजापति को बेस्ट प्लेयर एवार्ड से भी नवाजा गया।

आर.एन. टैगोर विद्यापीठ इंटर कॉलेज में एसडीएम संगीता राघव ने छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया

एसडीएम ने आर एन टैगोर विद्यापीठ में बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

नकुड़ । सहारनपुर, आर.एन. टैगोर विद्यापीठ इंटर कॉलेज में उप जिलाधिकारी संगीता राघव ने छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया और उनके द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। वह आज आर एन टैगोर विद्यापीठ में बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिये आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंची थी। उपजिलाधिकारी सुश्री संगीता राघव ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया व सभी प्रतिभाशाली छात्र/ छात्राओं को लाला शादी राम- सुरेश चंद अवार्ड से सम्मानित किया। सम्मानित किए जाने वाले छात्र-छात्राओं में इंटरमीडिएट से दीपाली,आकांक्षा, अक्षरा, लायबा, देवांशी,अनुष्का मित्तल प्रियांशी, निधि व तानिया शामिल रही। जबकि हाई स्कूल से जिला टॉपटेन

वंदना सिंह, हर्ष गुप्ता ,दक्ष, प्रिंस सैनी, अदीबा वंशिका, हया अंजुम जोया, पुष्कर शेरवाल, मनस्वी, युवराज , निगहत इस्लाम, अजरा नाज , वंशिका सिंघल, अभिलाषा, परिषित , शेवी चौधरी , तुलसी प्राची, खुशी, लक्ष्मी ,आयुषी, सृष्टि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी संगीता राघव ने छात्र-छात्राओं के सवालों के जवाब देते हुए उन्हें कहा कि समय की कीमत समझे वह अपने लक्ष्य निर्धारित करें साथ ही बच्चों को गुड़ हैल्थ के लिए भी टिप्स दिए। प्रबन्धक चन्द्रशेखर मित्तल ने कहा कि पिछले कई वर्षो से विद्यालय के छात्र /छात्राएं जिले में टॉपटेन आकर जिले व विद्यालय का नाम रोशन कर रहे है। जिसके लिए विद्यालय का स्टॉफ बधाई का पात्र हैं व अच्छे अंक लाने वाले सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र चौहान, वेदभूषण गुप्ता व गौरव गुप्ता ने भी बच्चों को शुभकामनाएं दी तथा हिंदी मीडियम के प्रधानाचार्य अशोक कुमार तथा इंग्लिश मीडियम की प्रधानाचार्या सुश्री अर्चना गुप्ता ने भी छात्रों को बधाई दी। इस अवसर पर सभी टीचर्स मौजूद रहे।

ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत थाना बडवानी पुलिस द्वारा 6 वर्ष के बालक को महज 30 मिनट में ढूंढ कर किया दस्तयाब माता-पिता के चेहरे पर लौटी मुस्कान

6 वर्षीय बालक को महज 30 मिनट में किया दस्तयाब

बड़वानी । मनोज पिता बबलु खरे निवासी रैन बसेरा के पास बस स्टेण्ड बडवानी ने अपनी पत्नि के साथ थाने पर आकर बताया कि आज सुबह दोनों पति पत्नि काम पर चले गये थे, घर पर उनका बडा लडका राजवीर एवं छोटा लडका हंसित उर्फ हनु उम्र 6 साल के थे । काम से वापस घर आने पर बडे लडके राजवीर ने बताया की हंसित बाहर खेलने गया था जो अभी तक वापस घर नही आया है, हम दोनों पति पत्नि ने हंसित की सभी जगह तलाश किया जहां वह रोज खेलने जाता है, किंतु बालक हंसित नही मिला है । सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बडवानी दिनेश सिंह कुशवाह ने तत्काल कस्बा बडवानी में भ्रमणरत चार्ली पार्टी को सुचित किया एवं थाने से पुलिस टीम को बालक की तलाश हेतु रवाना किया । बडवानी पुलिस टीम को रणजीत क्लब के पिछे गली में बालक रोते हुए दिखा, जिससे उसका नाम पुछा तो उसने धिमें आवाज में अपना नाम हंसित बताया, जिसे पुलिस थाने पर लेकर आई व उसके माता पिता के जिम्मे किया । बालक के पिता मनोज खरे व मां ने पुलिस की कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए पुलिस को धन्यवाद दिया ।

14 मई 2024 को नाम वापसी तथा नामांकन प्रपत्रों की जांच उपरान्त 17 मई 2024 को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजकर 30 मिनट तक मतदान होगा और इसके बाद मतपत्रो की गिनती करके परिणाम घोषित किया जायेगा

सिविल बार एसोसिएशन देवबन्द के वार्षिक चुनाव हेतु विभिन्न पदो के लिए अधिवक्ताओं ने अपना-अपना नामांकन दाखिल किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। देवबंद, सिविल बार एसोसिएशन देवबन्द के वार्षिक चुनाव हेतु विभिन्न पदो के लिए अधिवक्ताओं ने अपना-अपना नामांकन दाखिल किया। सिविल बार एसोसिएशन देवबन्द के वार्षिक चुनाव हेतु चौ0 प्रमोद कुमार एडवोकेट चुनाव अधिकारी, अनुपम वशिष्ठ एडवोकेट व सुनील कुमार रोड एडवोकेट सह चुनाव अधिकारी के नेतृत्व में चुनावी प्रक्रिया प्रारम्भ होने पर अध्यक्ष पद के लिये नरेश कुमार एडवोकेट, ठाकुर विरेन्द्रपाल सिंह एडवोकेट, ठाकुर जितेन्द्र सिंह एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिये बालकिशोर त्यागी एडवोकेट, मदनमोहन अग्रवाल एडवोकेट, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिये आदित्य एडवोकेट, फरमान एडवोकेट, महासचिव पद के लिये आशीष शर्मा एडवोकेट, शाह फैसल एडवोकेट, मुरसलीन एडवोकेट, सुदेशपाल एडवोकेट, कोषाध्यक्ष पद के लिये संजय कुमार एडवोकेट, सुशील कुमार एडवोकेट, चौ0 संजय एडवोकेट, सह सचिव प्रशासन पद के लिये अमित सिंघल एडवोकेट, सुशील कुमार एडवोकेट, उमा रानी एडवोकेट, सहसचिव पुस्तकालय पद के लिये श्रीमति मोनिका एडवोकेट, सद्दाम एडवोकेट, सुनील कुमार एडवोकेट, सहसचिव प्रकाशन पद के लिये प्रदीप शर्मा एडवोकेट, उमरदराज एडवोकेट, गर्वनिग काउन्सिल पद के लिये समय सिंह पुण्डीर एडवोकेट, कृष्ण कुमार एडवोकेट, राजेन्द्र कुमार एडवोकेट, अशोक कुमार एडवोकेट (15 वर्ष से अधिक वकालत) बिजेन्द्र कुमार एडवोकेट, बब्बर अली एडवोकेट, कर्मजीत एडवोकेट, यूवराज एडवोकेट, सतेन्द्र पालीवाल एडवोकेट (15 वर्ष से कम वकालत) ने अपना-अपना नामांकन किया। दिनांक 14ङ्क05ङ्क2024 को नाम वापसी तथा नामांकन प्रपत्रो की जांच उपरान्त दिनांक 17ङ्क05ङ्क2024 को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजकर 30 मिनट तक मतदान होगा और इसके बाद मतपत्रो की गिनती करके परिणाम घोषित कर दिया जायेगा।

कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने कसी कमर

बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदना शुरू

अक्सर प्याज के दाम देखते ही देखते आसमान छूने लगते हैं। लेकिन चुनाव नजदीक देख सरकार ऐसा नहीं होने देना चाहती। इसलिए सरकार ने इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बनाई है। इसका इस्तेमाल कीमतें बढ़ने की स्थिति में उन्हें काबू करने के लिए किया जा सकता है। इसी को लेकर सरकार ने किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है।

बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने कीमतों में वृद्धि होने पर आपूर्ति बढ़ाने के लिए 2024-25 के लिए पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाने के लिए बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है। यदि प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो बफर सरकार

को बाजारों में हस्तक्षेप करने की इजाजत देगा। खासकर तब जब सरकार ने पिछले सप्ताह प्याज निर्यात परसे प्रतिबंध हटाने का एलान कर दिया है।

प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

गौरतलब है, देश में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का फैसला लिया, लेकिन साथ न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। इसके साथ ही प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क भी लगा दिया है। पिछले साल अगस्त में भारत ने 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था।

प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सामान्य उपलब्धता, स्थिर कीमतों और सर्दियों की फसल से 1.91 लाख टन होने वाले मजबूत उत्पादन का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को मुक्त निर्यात के कारण प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं है। प्याज की आपूर्ति गर्मी के मौसम में कम हो जाती है। आपूर्ति में कमी के कारण कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने दिसंबर में प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ये एजेंसियां खरीदेगी प्याज

सरकार की तरफ से नेशनल कॉआपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और नेशनल एग्रीकल्चरल कॉआपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ङ्कस्नश्वष्ठ) जैसी एजेंसियां प्याज खरीदेंगी। सरकार ने एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे किसानों से सीधे बफर के लिए प्याज खरीदना शुरू करें।

सरकार के निर्देश के अनुसार, खरीद के लिए एनएएफईडी और एनसीसीएफ प्याज किसानों का पूर्व पंजीकरण करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजे जाएं।

टाटा मोटर्स लेकर आयी हैचबैक कारों पर बंपर डिस्काउंट, जानिए क्या है ऑफर

नई दिल्ली । भारतीय ग्राहकों के बीच हैचबैक कारों की डिमांड हमेशा से अधिक रही है। अगर आप भी अगले कुछ दिनों में नई हैचबैक कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। दरअसल, देसी कार निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स अपनी पॉपुलर अल्ट्रोज पर मई, 2024 के दौरान बंपर डिस्काउंट ऑफर कर रही है। बता दें कि मई महीने में टाटा अल्ट्रोज खरीदने पर ग्राहकों को अधिकतम 5,000 रुपये तक का फायदा हो सकता है। इस ऑफर में कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस और कॉर्पोरेट छूट भी शामिल है। ग्राहक डिस्काउंट के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी डीलरशिप से संपर्क कर सकते हैं। आइए जानते हैं टाटा अल्ट्रोज पर मिल रहे डिस्काउंट ऑफर के बारे में विस्तार से।

यहां जानिए ऑफर की पूरी डिटेल्स

बता दें कि मई महीने के दौरान टाटा अल्ट्रोज ष्ठष्ट वेरिएंट पर ग्राहकों को 35,000 रुपये तक का डिस्काउंट मिल रहा है। इस ऑफर में 20,000 रुपये का कैश डिस्काउंट शामिल है। जबकि कंपनी टाटा अल्ट्रोज सीएनजी पर भी 35,000 रुपये का डिस्काउंट दे रही है। इस ऑफर में भी 20,000 रुपये का कैश डिस्काउंट मिल रहा है। दूसरी ओर टाटा अल्ट्रोज पैट्रोल मैनुअल और डीजल वेरिएंट पर सबसे ज्यादा 50,000 रुपये का फायदा मिल रहा है। जहां ग्राहकों को टाटा अल्ट्रोज पैट्रोल मैनुअल और सीएनजी वेरिएंट पर 35,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 10,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और 5,000 रुपये का कॉर्पोरेट छूट मिल रहा है।

इतनी है कार की कीमत

अगर टाटा अल्ट्रोज के पावरट्रेन की बात करें तो इसमें ग्राहकों को 3 इंजन का ऑप्शन मिलता है। इसके अलावा, कार के इंटीरियर में ग्राहकों को फ्रंट एंड रियर पावर विंडो, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, हाइट एडजेस्टेबल ड्राइवर सीट और रेन सेंसिंग वाइपर्स जैसे फीचर्स मिलते हैं। बता दें कि मार्केट में टाटा अल्ट्रोज का मुकाबला टोयोटा ग्लैंजा, मारुति सुजुकी बलेनो और हुंडई द्ब20 जैसी कारों से होता है। टाटा अल्ट्रोज में ग्राहकों को 7 कलर ऑप्शन मिलता है। टाटा अल्ट्रोज की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 6.65 लाख रुपये से लेकर टॉप मॉडल में 10.80 लाख रुपये तक जाती है।

अफगानिस्तान में मौसमी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ ने मचाया कहर

अब तक 300 लोगों ने गंवाई जान

इंटरनेशनल डेस्कः अफगानिस्तान में हुई भारी मौसमी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के चलते 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 1,000 से अधिक घर नष्ट हो गए। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसी ने शनिवार को यह जानकारी दी। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा कि वह पिछले कुछ हफ्तों में अफगानिस्तान में आई बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित कर रहा है। यादातर पीड़ित उत्तरी प्रांत बगलान में हैं, जहां शुक्रवार को बाढ़ आई है। पड़ोसी तखर प्रांत में, सरकारी स्वामित्व वाले मीडिया संस्थानों ने बाढ़ से कम से कम 20 लोगों की मौत होने की खबर दी है।

तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, इस विनाशकारी बाढ़ में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं। मुजाहिद ने बदख्शां, बगलान, घोर और हेरात प्रांतों को सबसे यादा प्रभावित बताया।

उन्होंने कहा कि व्यापक तबाही के परिणामस्वरूप काफी वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों को बचाने, घायलों को उपचार के लिए ले जाने और शवों को निकालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधन जुटाने का आदेश दिया है।

तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि देश की वायुसेना ने पहले ही बगलान में लोगों को निकालना शुरू कर दिया है और बड़ी संख्या में बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को बचाया है और 100 घायलों को क्षेत्र के सैन्य अस्पतालों में पहुंचाया है।

खालिस्तानी अलगाववादी निज्जर हत्या मामले में कनाडा में एक और भारतीय अरेस्ट

अभी तक चौथी गिरफ्तारी

इंटरनेशनल डेस्कः खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडा के अधिकारियों ने शनिवार को एक और भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया। इसी के साथ इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए भारतीय नागरिकों की संख्या चार हो गई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। कनाडा के सरे निवासी अमरदीप सिंह (22) पर हत्या और हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए गए हैं। 'इंटीग्रेटेड होमिसाइड इंवेस्टिगेशन टीम% (आईएचआईटी) ने बताया कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में सिंह की भूमिका के लिए उसे 11 मई को गिरफ्तार किया गया था। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि वह एक अन्य मामले में पील क्षेत्रीय पुलिस की हिरासत में था। आईएचआईटी के प्रभारी अधिकारी मनदीप मूकर ने कहा, ''यह गिरफ्तारी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भूमिका निभाने वालों को जिम्मेदार ठहराने के लिए जारी हमारी जांच की प्रकृति को दर्शाती है। निज्जर (45) की 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी। आईएचआईटी के जांचकर्ताओं ने इस मामले में तीन भारतीय नागरिकों - करण बराड़ (22), कमलप्रीत सिंह (22) और करणप्रीत सिंह (28) को तीन मई को गिरफ्तार किया था। ये तीनों आरोपी एडमॉन्टन के रहने वाले हैं और उन पर हत्या और हत्या की साजिश रचने के आरोप हैं। भाषा शोभना प्रीति

सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने फिर टाल दी पाकिस्तान की यात्रा

इस्लामाबादः सऊदी अरब के युवराज (क्राउन प्रिंस) मुहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित पाकिस्तान यात्रा अज्ञात कारणों से स्थगित कर दी गई है। एक खबर में शनिवार को यह जानकारी दी गयी। 'जियो न्यूज% की खबर के अनुसार, पहले उम्मीद थी कि वे 19 मई को दो दिवसीय दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचेंगे। सऊदी अरब के युवराज की यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि इस्लामाबाद और रियाद के बीच एक कार्यक्रम तैयार होते ही यात्रा का विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। बलूच ने भरोसा जताया कि यात्रा जल्द ही होगी और निश्चित रूप से मूल्यवान होगी, क्योंकि पाकिस्तान के लोग सऊदी अरब के नेता का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। मार्च में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सऊदी अरब की यात्रा के बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हाल ही में राजनयिक और व्यापार-संबंधी वार्ता के बाद यह उच्चस्तरीय यात्रा होने की संभावना थी। सऊदी अरब के युवराज की यात्रा अब विलंबित हो गई है। उनकी यात्रा नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान के लिये बहुत महत्व रखती है। पाकिस्तान विभिन्न क्षेत्रों में सऊदी अरब से बड़ा निवेश आने की उम्मीद लगाए है। मोहम्मद बिन सलमान की पांच साल में यह पहली पाकिस्तान यात्रा होगी। पिछली बार उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शासनकाल के दौरान फरवरी 2019 में पाकिस्तान का दौरा किया था। वह क्षेत्र की अपनी यात्रा के तहत 2022 में पाकिस्तान आने वाले थे, लेकिन अंतिम समय में यात्रा रद्द कर दी गई थी। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच मजबूत व्यापार, रक्षा और सांस्कृतिक संबंध हैं। सऊदी अरब में 27 लाख से अधिक पाकिस्तानी प्रवासी रहते हैं।

पाकिस्तान SC के फैसले के बाद पंजाब प्रांत में सत्तारूढ़ गठबंधन ने 27 आरक्षित सीटें गंवाई

इंटरनेशनल डेस्कः पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पीएमएल-एन की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि प्रांतीय एसेम्बली के अध्यक्ष ने 27 जन प्रतिनिधियों की सदस्यता स्थगित कर दी है। मीडिया ने यह जानकारी दी है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने एक निचली अदालत के उस फैसले को निलंबित कर दिया जिसमें उसने सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल को महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीट में उसका हिस्सा देने से इनकार कर दिया था। प्रांतीय एसेम्बली के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद खान ने आरक्षित सीट पर नियुक्त की गयी महिलाओं और गैर मुसलमानों की सदस्यता स्थगित कर दी। उन्हें पाकिस्तान निर्वाचन आयोग की पिछली अधिसूचनाओं के मार्फत आरक्षित सीट पर नियुक्त किया गया था। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने यह खबर दी है। अध्यक्ष खान के फैसले के मुताबिक वे बतौर सदस्य तबतक एसेम्बली की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकते हैं जबतक उनका दर्जा पाकिस्तान निर्वाचन आयोग या उच्चतम न्यायालय द्वारा स्पष्ट नहीं कर दिया जाता है। डॉन अखबार के मुताबिक, जिन-जन प्रतिनिधियों को निलंबित किया गया है, उनमें 23 पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के , दो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के और एक-एक पीएमएल-क्यू एवं आईपीपी के हैं। एसेम्बली में विपक्षी पीटीआई समर्थित एसआईसी के राणा आफताब ने एक दिन पहले व्यवस्था का प्रश्न उठाया था जिसके बाद अध्यक्ष ने यह फैसला सुनाया। आफताब ने दलील दी थी कि शीर्ष अदालत ने स्ड्ढष्ट की आरिक्षत सीट अन्य दलों को आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को निलंबित कर दिया है। लेकिन अध्यक्ष खान ने कहा कि उन्होंने महाधिवक्ता एवं प्रांत के विधि विभाग से राय मांगी है और उनकी रिपोर्ट मिलने के बाद ही वह निर्णय लेंगे। डॉन ने यह खबर दी। शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ने उच्चतम न्यायालय का आदेश पढ़कर सुनाया और कहा कि आफताब का व्यवस्था का प्रश्न विधि सम्मत है । उन्होंने 27 सदस्यों को तत्काल निलंबित कर दिया।

कार डीलरों के साथ क्रूरता

प्राइवेट पार्ट पर दिए बिजली के झटके, सात आरोपी गिरफ्तार

नेशनल डेस्क- कर्नाटक के कलबुर्गी में पुरानी कारों के कारोबारी और दो अन्य व्यक्तियों के गुप्तांगों में करंट लगा यातना देने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ितों के साथ बर्बरता का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें आरोपी बड़ी बेरहमी से पीड़ितों के कपड़े उतारकर उनके प्राइवेट पार्ट्स पर बिजली के झटके दे रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस ने बताया कि, मामले में इमरान पटेल, मोहम्मद मथीन उर्फ स्टील मथीन, मोहम्मद जिया उल हुसैन, मोहम्मद अफजल शेख, हुसैन शेख, रमेश और सागर को गिरफ्तार किया गया है। पुरानी कारों के कारोबारी रमेश मादीवाला, समीरुद्दीन और अब्दुल रहमान को एक वाहन की डिलीवरी में कथित तौर पर देरी के लिए यातना दी गई थी। आरोपियों ने उन्हें छोड़ने के एवज में कथित तौर पर पैसे मांगे थे। पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है।

मौलाना की घिनौनी करतूत

मस्जिद में छात्रा के साथ दुष्कर्म कर बनाई वीडियो..पिछले 2 साल से कर रहा था शारीरिक शोषण

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में पुलिस ने 32 वर्षीय एक मौलवी को एक युवती से दुष्कर्म करने और उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। ग्रामीण क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विवेक चंद्र यादव ने इस मामले में दर्ज शिकायत के हवाले से बताया कि गाजियाबाद जिले में मसूरी थाना इलाके की एक युवती (22) दो वर्ष पूर्व मौलवी जब?बार के यहां पढ़ने जाती थी और उसी दौरान मौलवी ने उससे कथित तौर पर दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बना लिया।

युवती से दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में मौलवी गिरफ्तार

डीसीपी ने शिकायत के हवाले से कहा कि इसके बाद से मौलवी उसे डरा-धमकाकर लगातार उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। वह उसे धमकी देता था कि अगर वह उसके साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाएगी तो वह उसका वीडियो सार्वजनिक कर देगा। यादव ने बताया कि कुछ दिन पहले मामले का वीडियो गांव में सार्वजनिक हो गया जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पीड़िता के माता-पिता को इस बारे में सूचित किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद मौलवी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

मौलवी का मोबाइल फोन जब्त कर पीड़िता को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा

यादव ने बताया कि पुलिस ने मामले में आरोपी मौलवी के खिलाफ 376 (दुष्कर्म), 328 (अपराध करने के इरादे से नशीला पदार्थ देना) और 506 (आपराधिक धमकी) समेत भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। डीसीपी ने बताया कि मौलवी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है और पीड़िता को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस उन दोषियों का पता लगा रही है जिन्होंने जानबूझकर वीडियो सार्वजनिक किया।

ऑस्ट्रेलिया में भांग बाज़ार को वैध बनाने की तैयारी, जानें अरबों डॉलर टैक्स का क्या होगा ?

मेलबर्न - मेलबर्न विश्वविद्यालय की जेनी विलियम्स और क्रीसलैंड विश्वविद्यालय क्रिस्टिएर्न रोज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में भांग बाज़ार को वैध बनाने की तैयारी हो रही है। कानूनी और संवैधानिक मामलों की विधान समिति देश में भांग के कारोबार को वैध बनाने संबंधी विधेयक पर अपनी रिपोर्ट इस महीने के अंत तक सौंपने वाली है। भांग के कारोबार को वैध करने का उद्देश्य इससे होने वाले मुनाफे को संगठित अपराध से दूर करना, 18 वर्ष से कम आयु के लोगों तक इसकी पहुंच प्रतिबंधित करना और सख्त सुरक्षा और गुणवत्ता नियमों के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, नए वैध बाजार को वर्तमान भांग उपभोक्ताओं को अवैध बाजार और इसके आपूर्तिकर्ताओं के स्थापित नेटवर्क से हटकर आकर्षित करना होगा। विशेष रूप से वे जो बड़ी मात्रा में इसका उपयोग करते हैं। एक कानूनी बाज़ार पर भी कर लगाया जा सकता है, और उत्पन्न राजस्व अत्यधिक आवश्यक सार्वजनिक व्यय को वित्तपोषित करने में मदद कर सकता है । उदाहरण के लिए, मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के उपयोग से होने वाले विकारों की उपचार सेवाओं पर। ऑस्ट्रेलिया के संसदीय बजट कार्यालय (पीबीओ) का अनुमान है कि वैध बाजार से पहले दशक में जनता को 28 अरब अमेरिकी डॉलर का अप्रत्याशित लाभ मिलेगा। लेकिन हमारा मानना ??है कि पीबीओ का अनुमान बहुत अधिक है, और भांग के उपयोग के मौजूदा पैटर्न के आधार पर, 13 अरब अमेरिकी डॉलर अधिक विश्वसनीय अनुमान है। तो हमें कैसे पता चलेगा कि भांग का बाज़ार कितना बड़ा है और यह कितना राजस्व दे सकता है? आस्ट्रेलियाई लोग कितनी भांग का सेवन करते हैं? किसी अवैध बाज़ार के आकार का आकलन करना - अपने अपने आप में ही - कठिन है। आपराधिक उद्यम कर रिटर्न दाखिल नहीं करते हैं या जीएसटी एकत्र नहीं करते हैं। वह नकद लेनदेन या कोई डिजिटल निशान नहीं छोड़ते हैं। हालाँकि, दो प्रमुख तरीके हैं जिनसे हम इसका अनुमान लगाने का प्रयास कर सकते हैं । राष्ट्रीय औषधि रणनीति घरेलू सर्वेक्षण (एनडीएसएचएस) इस पर डेटा एकत्र करता है कि आस्ट्रेलियाई लोग किस प्रकार के अवैध पदार्थों का उपयोग कर रहे हैं और कितनी बार इसका उपयोग कर रहे हैं। विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ताओं की संख्या का अनुमान लगाने के लिए, हम नवीनतम राष्ट्रीय औषधि रणनीति घरेलू सर्वेक्षण में उपयोग की एक विशेष आवृत्ति की सूचना देने वाले आस्ट्रेलियाई लोगों का प्रतिशत लेते हैं और इसे 14 वर्ष से अधिक आयु के आस्ट्रेलियाई लोगों की कुल संख्या से गुणा करते हैं जो सर्वेक्षण के लिए चुनी गई जनसंख्या है। यह ऑस्ट्रेलियाई संसदीय बजट कार्यालय के विपरीत है, जिसने 15 वर्ष से अधिक आयु के कनाडाई लोगों और ऑस्ट्रेलियाई वयस्क आबादी के आकार के सर्वेक्षण के डेटा का उपयोग किया था। लेकिन व्यवहार में ये विशेष अंतर ज्यादा मायने नहीं रखते। फिर हम सर्वेक्षण में अंडर-रिपोर्टिंग की अपेक्षित दर और वैधीकरण के कारण मांग में अनुमानित 15 प्रतिशत की वृद्धि के लिए समायोजन करते हैं। कुल मिलाकर, हमारा अनुमान है कि एक नया वैध बाज़ार अपने पहले वर्ष में 34 लाख भांग उपयोगकर्ताओं को आकर्षित कर सकता है। इसके बाद, हमें प्रत्येक प्रकार के उपयोगकर्ता द्वारा एक वर्ष में उपभोग की जाने वाली भांग की मात्रा की गणना करने की आवश्यकता है। हम उपयोग दिवसों की वार्षिक संख्या को प्रत्येक उपयोग दिवस पर खपत की गई मात्रा से गुणा करके ऐसा कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569